राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार ,24 सितंबर–2021 वर्ष–4,अंक–243 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंडोनेशिया से सूरत आ रहे जहाज के टॉयलेट में कर्मचारी का शव बरामद

क्रांति समय दैनिक समाचार

सूरत,इंडोनेशिया से सूरत के मगदल्ला पोर्ट पर रहे विदेशी जहाज के टॉयलेट में एक कर्मचारी का शव मिलने से सनसनी फैल गई। बीती रात जहाज के मगदल्ला पोर्ट पर जहाज के पहुंचने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया। जांच में पुलिस को कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है, अनुमान है कि कर्मचारी की दिल का दौरा पड़ने से मौत हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की असली वजह सामने आएगी। जानकारी के मुताबिक वलसाड जिले की पारडी तहसील के किकरला गांव निवासी 50 वर्षीय सुभाषचंद्र प्रभुभाई टंडेल आईएमओ नं. 9265524

नामक जहाज पर बतौर ऑइल मेन सेवारत थे। यह जहाज इंडोनेशिया से सूरत के मगदल्ला पोर्ट की ओर रवाना हुआ था। 19 सितंबर की शाम सुभाषचंद्र का कोई जरूरी प्रशिक्षण था। लेकिन सुभाषचंद्र उसमें शामिल नहीं हुए। जिससे अन्य कर्मचारी को सुभाषचंद्र की कैबिन में जांच के लिए भेजा गया था। कैबिन भीतर से बंद होने और कोई जवाब नहीं मिलने पर कर्मचारी ने अपने ऊपरी अधिकारी को सूचना दी। बाद में मास्टर की से कैबिन का दरवाजा खोलने का प्रयास किया गया। लेकिन दरवाजा नहीं खुलने पर उसे तोड़कर जहाज के कर्मचारी कैबिने में घुसे। कैबिन के टॉयलेट में सुभाषचंद्र निस्तेज हालत में पड़ा था। फौरन जहाज में मौजूद डॉक्टर को बुलाया गया, जिसने सुभाषचंद्र को मृत घोषित कर दिया। जहाज के स्टाफ ने मरीन पुलिस को घटना की सूचना दी गई। मरीन पुलिस की सूचना पर सूरत की हजीरा पुलिस हरकत में आ गई। 22 सितंबर की रात विदेशी जहाज के हजीरा पोर्ट पर पहुंचते ही पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और सूरत के नए सिविल अस्पताल भेज दिया।

पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। हजीरा पुलिस के मुताबिक सुभाषचंद्र की मौत दिल का दौरा पड़ने की वजह से हुई है। हांलाकि असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही सामने आएगी।

राज्य में गुटखा, तम्बाकू या निकोटीनयुक्त पान-मसाले पर प्रतिबंध एक साल बढ़ा

क्रांति समय दैनिक समाचार राज्य में गुटका, तम्बाकू या निकोटीनयुक्त पान-मसाले की बिक्री, संग्रह और वितरण पर फिलहाल प्रतिबंध है। खाद्य एवं औषध नियमन विभाग ने इस प्रतिबंध को और एक साल के लिए बढ़ा दिया है। यह प्रतिबंध फूड सेफ्टी स्टान्डर्ड एक्ट 2006 के नियम और रेग्युलेशन 2011 के तहत लगाया गया है। इसके अंतर्गत किसी भी खाद्य चीज मं तम्बाकू या निकोटीन मिलाने पर प्रतिबंध है। गुटका में तम्बाकू या निकोटीन स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक है। जिससे नागरिकों और आनेवाली पीढियों के स्वास्थ्य ध्यान में रखते हुए प्रतिबंध लगाने का निर्णय किया गया है। राज्य सरकार द्वारा गुटका के या पान मसाला कि जिसमें तम्बाकू या निकोटीन की मौजूदगी हो उसकी बिक्री, संग्रह और वितरण पर एक साल के लिए प्रतिबंध बढ़ा दिया गया है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाती है। खाद्य एवं औषध नियमन विभाग ऐसे मामलों में संबंधित फर्मों की जांच कर आर्थिक दंड वसूल करती हैं।

पड़ोस की महिला ने 11 साल की बच्ची को उबलते तेल में हाथ डालकर जलाया अंधश्रद्धा वश में

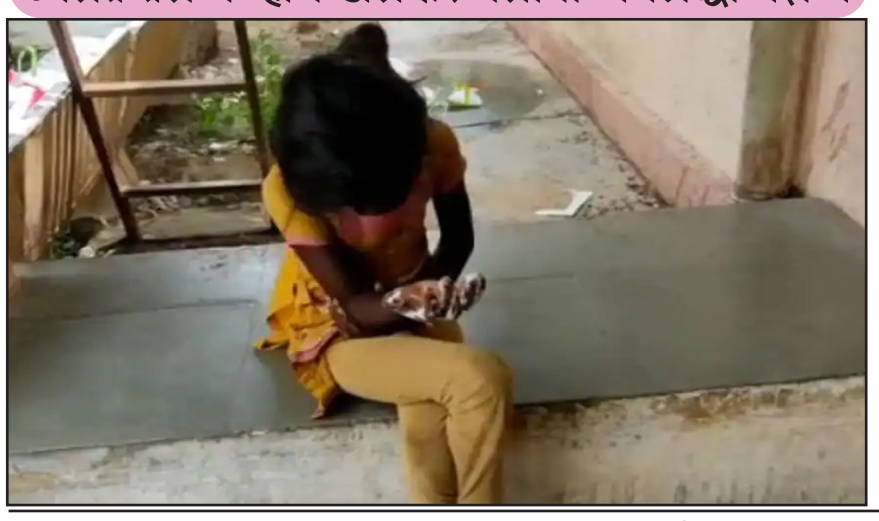

गुजरात कांग्रेस के विधायकों की विपक्ष का नेता बदलने की मांग

क्रांति समय दैनिक समाचार

गुजरात में मुख्यमंत्री से लेकर समूचे मंत्रिमंडल बदलने के बाद अब प्रदेश कांग्रेस में भी परिवर्तन की मांग तेज हो गए हैं। कांग्रेस विधायक दल की बैठक में लगभग सभी की एक राय थी कि परेश धानाणी के बजाए किसी को नेता प्रतिपक्ष बनाया जाए। अहमदाबाद के दरियापुर से कांग्रेस विधायक ग्यासुद्दीन शेख के मुताबिक गांधीनगर में हुई विधायकों की बैठक में पार्टी हाईकमांड को गुजरात कांग्रेस में परिवर्तन करना है या नहीं इसका जल्द फैसला करना चाहिए। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष

परेश धानाणी और गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा को यथावत रखने या नए नियुक्ति नहीं किए जाने से विधायक समेत पार्टी कार्यकर्ता दुविधा में हैं। विधायकों की मांग है कि फेरबदल करना है तो जल्द करे, फिलहाल कांग्रेस के लिए अच्छा समय है। नई सरकार के अनुभवहीन मंत्री और कोरोना के कारण सरकार की छवि धुमिल हुई है, जिसका लाभ कांग्रेस को आगामी 2022 के विधानसभा चुनाव में मिल सकता है। ग्यासुद्दीन शेख के मुताबिक जनता की नाराजगी लाभ लेने के लिए पहले कांग्रेस को मजबूत करना होगा और इस मजबूती के लिए एक अच्छे कैप्टन की जरूरत है। पार्टी हाईकमांड की अनिर्णायकता गुजरात कांग्रेस के लिए बड़ा नुकसान साबित हो सकता है। शेख ने कहा कि यदि गुजरात प्रदेश कांग्रेस के नेता पार्टी हाईकमांड के समक्ष पेशकश नहीं कर सकते तो विधायक दिल्ली जाकर आलाकमान से मिलेंगे। विधायकों की यह भी मांग है कि गुजरात विधानसभा के 2022 के चुनाव की जिम्मेदारी प्रशांत किशोर को सौंपी जाए।

मुख्यमंत्री ने पंचायत, ग्राम गृह निर्माण और ग्राम विकास विभाग की योजनाओं, उपलब्धियों, बजट प्रावधान और कार्य प्रगति की जानकारी ली

जनोन्मुखी कार्यों व योजनाओं से सीधे जुड़े हुए विभागों के कामकाज की समीक्षा की पहल

क्रांति समय दैनिक समाचार

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य सरकार के जनोन्मुखी कार्यों व योजनाओं के साथ सीधे जुड़े हुए विभागों की कार्य पद्धति की सर्वग्राही समीक्षा करने की जो पहल शुरू की है उसके अंतर्गत गुरूवार को गांधीनगर में उन्होंने एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित कर पंचायत एवं ग्राम विकास विभाग के कामकाज की समीक्षा की। ग्राम विकास मंत्री अर्जुनसिंह चौहान तथा पंचायत राज्य मंत्री ब्रिजेश मेरजा इस बैठक में उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के बजट में इन दो विभागों के लिए किए गए 8795.57 करोड़ रूपए के प्रावधान तथा पंचायत विभाग को आवंटित इस बजट की 60 फीसदी रकम यानी 5285.96 करोड़ रूपए एवं ग्राम विकास विभाग को आवंटित 40 फीसदी रकम यानी 3509.61 करोड़ रूपए की विस्तृत जानकारी हासिल की। पंचायत ग्राम विकास और ग्राम गृह निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विपुल मित्रा ने जिला, तहसील और ग्रामीण समेत त्रिस्तरीय पंचायती ढांचे में विभिन्न संवर्ग के स्टाफ, जिला, तहसील और पंचायत भवन और उनकी सुविधाओं आदि से संबंधित प्रेजेंटेशन भूपेंद्र पटेल के समक्ष इस बैठक में किया। मुख्यमंत्री

ने समरस ग्राम योजना और तीर्थग्राम योजना के संबंध में भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की। भूपेंद्र पटेल ने वतन प्रेम योजना के अंतर्गत संबंधित दानदाताओं के सहयोग और सरकार के योगदान से स्थानीय विकास कार्यों तथा जनहित सुविधाएं स्थापित कर योजना का दायरा बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन दिया। दानदाता अपना दान ऑनलाइन बैंकिंग के जरिए पारदर्शी तरीके से दे सकते हैं और अपनी पसंद का काम अपनी पसंद की एजेंसी के मार्फत करा सकते हैं, योजना की इस तरह की विशेषताओं से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया। ग्रामीण स्तर पर गुजरात ग्राम गृह निर्माण बोर्ड सुविधा युक्त आवासों का जो निर्माण कर रहा है उसकी गुणवत्ता और सुविधा, आवास आवंटन के मापदंड, उपलब्ध जमीन और परियोजनाओं की प्रगति की भी भूपेंद्र पटेल ने समीक्षा की। मुख्यमंत्री के समक्ष ग्राम विकास विभाग के प्रेजेंटेशन के माध्यम से श्रीमती सोनल मिश्रा ने मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) तथा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री से उन्होंने कहा कि मनरेगा के कार्यों के मार्फत मानव दिवस रोजगार के सृजन के साथ ही ग्रामीण स्तर पर सामूहिक और व्यक्तिगत परिसंपत्तियों का निर्माण किया जाता है। उन्होंने कहा कि गुजरात में कोरोना संक्रमण के बीच भी पिछले छह महीने में 3.68 करोड़ मानव दिवस रोजगार मनरेगा के जरिए दिया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के दूसरे चरण में ओडीएफ प्लस, ठोस कचरा प्रबंधन, धूसर जल प्रबंधन (ग्रे वाटर मैनेजमेंट), प्लास्टिक कचरा प्रबंधन और गोबर धन प्रोजेक्ट के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में हुए कार्यों से भी मुख्यमंत्री को विस्तृत प्रेजेंटेशन के माध्यम से अवगत कराया गया। ग्रामीण महिला शक्ति के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत लगभग 2.65 लाख स्वयं सहायता समूहों की विभिन्न गतिविधियों और मुख्यमंत्री महिला उत्कर्ष योजना सहित अन्य योजनाओं के संबंध में भी मुख्यमंत्री के समक्ष प्रेजेंटेशन पेश किया गया। इस समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, पंचायत, ग्राम विकास विभाग, ग्राम विकास आयुक्त गुजरात आजीविका संवर्धन कंपनी लिमिटेड, ग्राम गृह निर्माण बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

तालिबानी हठ

पाकिस्तान के तालिबानी हठ के कारण दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) की इस सप्ताह न्यूयॉर्क में प्रस्तावित विदेश मंत्रियों की बैठक रद्द कर दी गई है। पाकिस्तान बैठक में तालिबानी प्रतिनिधि को शामिल करने पर जोर दे रहा था। काबुल में तालिबान द्वारा बनाई गई अंतरिम सरकार को किसी भी देश द्वारा औपचारिक रूप से मान्यता नहीं दी गई है और पाकिस्तान हर मुमकिन कोशिश में लगा है कि तालिबान को मान्यता मिल जाए। अगर सार्क की प्रस्तावित बैठक में तालिबान के प्रतिनिधि को शामिल कर लिया जाता, तो जाहिर है, इससे सार्क को भले ही कोई लाभ नहीं होता, लेकिन यह तालिबान और पाकिस्तान की कामयाबी में दर्ज हो जाता। पाकिस्तान को कतई इस बात की चिंता नहीं है कि सार्क देशों की किसी भी स्तर पर बैठक कितनी जरूरी है, उसे केवल अपने निहित स्वार्थ से मतलब है और तालिबान ने किसी भी तरह का लचीलापन दिखाने से इनकार कर दिया है। समावेशी सरकार बनाने की पाकिस्तानी सलाह को भी उसने एक तरह से ठुकरा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में तालिबान की वैधता पर सवाल उठाए हैं, क्योंकि वह समावेशी नहीं है। इसके बाद यह साफहो गया था कि गैर-लचीले तालिबान के लिए विश्व मंचों पर राह आसान नहीं है। जब संयुक्त राष्ट्र में ही ज्यादातर देश तालिबान को वैधता देना नहीं चाहते, तो सार्क में उसे कैसे वैधता दी जाए? तालिबान को तो सब कुछ चालाकी और बल के जोर पर हासिल हुआ है, तो उसे कोई परवाह नहीं है, लेकिन कम से कम पाकिस्तान को अपने भले-बुरे का विचार करना चाहिए। आज अगर सार्क उपयोगी या सक्रिय रहता, तो पाकिस्तान को ही सर्वाधिक लाभ होता। खुद पाकिस्तान अलग-थलग पड़ता जा रहा है। तालिबानी सोच से अत्यधिक लगाव के चलते वह असुरक्षित होता जा रहा है। पहले न्यूजीलैंड और फिर इंग्लैंड की क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान का दौरा रद्द कर दिया है। पाकिस्तान को स्वयं अपने यहां सुरक्षा और सद्भाव का माहौल बनाना चाहिए, वरना तालिबान के साथ खुद उसकी विश्वसनीयता भी छीजती चली जाएगी। अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका को एक साथ लाने वाला समूह अपने 19वें वार्षिक शिखर सम्मेलन के बाद से मरणासन्न ही रहा है। पाकिस्तान के व्यवहार ने सार्क को बाधित किया है। यह संगठन भारत या किसी अन्य देश के वर्चस्व या मनमानी के आधार पर नहीं, बल्कि आम सहमति के सिद्धांत पर काम करता है। दक्षेस सचिवालय द्वारा आठ देशों के विदेश मंत्रालयों को संदेश मिला है कि 25 सितंबर को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में सभी सदस्य राष्ट्रों में सहमति की कमी के कारण बैठक नहीं होगी। सर्वज्ञात है कि सार्क या दक्षेस का इस्तेमाल पाकिस्तान हमेशा भारत के खिलाफ विवादित विषय उठाने के लिए करता रहा है। भारत-पाकिस्तान संबंधों में तनाव न्यूयॉर्क में सार्क के विदेश मंत्रियों की बैठकों में पहले भी परिलक्षित हुआ है। साल 2019 में पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे में बदलाव के विरोध में दक्षेस बैठक में अपने भारतीय समकक्ष के भाषण का बहिष्कार किया था। खैर, इस बार बैठक को पहले ही रद्द करने से पाकिस्तान को झटका लगा है, लेकिन क्या वह सकारात्मक दृष्टि से विचार करेगा?

'आज के ट्वीट

नकल

प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल गिरोह द्वारा नकल कराने जैसे प्रकरण सामने आने के बाद अभ्यर्थियों की मेहनत पर पानी फिर जाता है। ऐसे में, इन नकल गिरोहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। किसी भी परीक्षा केन्द्र पर लापरवाही नहीं बरती जाए। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं।

-- मु. अशोक गहलोत

विकास से पर्यावरणीय संवेदनशीलता को खतरा

जय प्रकाश नारायण

पिछले साल अक्तूबर माह में प्रधानमंत्री द्वारा रोहतांग में अटल सुरंग का उद् घाटन होने के साथ हिमाचल प्रदेश की लाहौल घाटी का संपर्क बाकी देश से बने रहना आसान हो गया है। इस तरह वह इलाका जो हर साल लगभग छह महीने तक बाहरी जगत से कट जाता था, अब वहां पूरे साल जाया जा सकता है। इसको स्थानीय लोगों ने अपने लिए एक क्रांतिकारी कदम बताया और इस अवसर पर नाच-गाकर खुशी मनाई थी। लेकिन उनका यह आनन्द भाव बहुत कम समय तक रहा। अब स्थानीय बाशिंदे अपने वजूद को लेकर चिंतित हो उठे हैं। उनकी इस व्यग्रता का आगाज वहां प्रस्तावित अनेकानेक पनबिजली परियोजनाओं को हाल ही में मिली मंजूरी से हुआ है। उन्हें डर है कि कहीं लाहौल का हाल भी उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले जैसा न हो जाए, क्योंकि भौगोलिकता, पहाड़ों की ऊपरी परत की नाजुकता और पर्यावरणीय चिंताए एक समान हैं। जिस तरह हिमालयी राज्यों में विनाशकारी घटनाओं से संकट लगातार गहराता जा रहा है, लोग मर रहे हैं और मुश्किलें बढ़ रही हैं, उसे देखते हुए यह भय पूरी तरह निराधार भी नहीं है। वर्ष 2013 में हुए केदारनाथ हादसे को कौन भूल सकता है, जिसने लगभग 5000 जानें लील ली थीं। केदारनाथ त्रासदी के आलोक में सर्वोच्च न्यायलय ने पर्यावरण मंत्रालय में पुनर्समीक्षा लंबित रहने तक उत्तराखंड में नए पनबिजलीघरों के निर्माण पर रोक लगा दी। पर्यावरण मंत्रालय द्वारा गठित चोपड़ा समिति ने बाद में निष्कर्ष निकाला कि 24 पनबिजली परियोजनाओं में 23 से इस इलाके के पर्यावरण पर अपरिवर्तनीय असर पड़ सकता है। इस किस्म की घटनाएं, भले ही कुछ अलग स्वरूप वाली, उत्तराखंड में चमोली समेत अन्य जिलों में जब तब घटती रहती हैं, इस साल फरवरी माह में हुए एक विशाल हिम एवं चट्टान स्खलन में 70 से ज्यादा लोगों की जानें गईं। 11 अगस्त के दिन हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में निगुलसरी में भारी भूस्खलन हुआ था, जिसमें कम से कम 28 लोग मारे गए, इनमें कुछ राज्य परिवहन के बस यात्री थे तो चंदकार सवार लोग, जो मलबे में दब गए। इसी तरह का हादसा किन्नौर के बटसेरी में भी हुआ, जहां गिरी एक विशाल चट्टान ने 9 लोगों की जान ले ली थी। हादसे के शिकार बने 8 व्यक्ति एक पर्यटक बस में थे। इस किस्म की घटनाएं अभूतपूर्व और खतरनाक, दोनों होती हैं। मानवजनित गतिविधियों के परिणामस्वरूप बनी यह घटनाएं बिना पूर्व सूचना दिये और बारम्बार होने लगी हैं। दुख की बात है कि यह घटनाएं न केवल लोगों की जानें लील लेती हैं बल्कि प्रकृति से सामंजस्य एवं शांति बनाकर जीने वाले स्थानीय सरल और मेहनतकश बाशिंदों के लिए अकथनीय मुसीबतें और आर्थिक संकट पैदा कर देती हैं। ये हादसे अब बार-बार क्यों घटने लगे हैं, इनका मूल कारण क्या है? क्या यह चेतावनी संकेत केवल लाहौल घाटी तक सीमित हैं? मुख्य वजहों में पनबिजली घरों का निर्माण और अवैज्ञानिक ढंग से सड़कें चौड़ी करने वाला काम है। भूविज्ञान अध्ययन संस्थान की रिपोर्ट के मुताबिक पहाड़ों में बुनियादी ढांचा विकसित करने और उच्च मार्ग बनाने की प्रक्रिया में किए गए अंधाधुंध विस्फोटों ने धरती की ऊपरी संवेदनशील परत को कमजोर कर दिया है, जिसकी वजह पहले से नाजुक पर्यावरण वाले इस क्षेत्र में भूस्खलन तथा बाढ़ का खतरा और बढ़ गया है। लाहौल घाटी में बिजली परियोजनाएं बनाकर मुनाफा बनाने का मौका भांपकर निजी क्षेत्र इस ओर आकर्षित हुआ है। अटल सुरंग की बदौलत निर्माण कार्य के लिए भारी मशीनरी वहां पहुंचानी आसान हो गई है। इससे घाटी के लोगों में बड़े स्तर पर चिंता पैदा हो गई है कि यदि पनबिजलीघर बनने पर अमल हुआ तो यहां की नाजुक एवं अछूते पर्यावरणीय स्थिति को भारी नुकसान पहुंचेगा, जिसका भारी खमियाजा स्थानीय लोगों को भुगतना पड़ेगा। साफ है यह मानव-जनित संकट हैं और उनके मूल कारण लगभग एक समान है। विकास परियोजनाओं का आवंटन करते वक्त विशेषज्ञ इनकी शिनाख्त 'नाकाफी जोखिम प्रबंधन' वाली योजना के तौर पर देते हैं और निर्णय करते समय पर्यावरण एवं मौसम को होने वाले वास्तविक नुकसान का कम आकलन किया जाएगा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायलय ने वस्तुस्थिति का जायजा लेने को एक दशक पहले एक सदस्यीय शुक्ला समिति बनाई थी। इसने अपनी रिपोर्ट में सुझाव दिया है कि हिमाचल प्रदेश में नये पनबिजलीघर बनाने पर तुरंत रोक लगाई जाए, खासकर लाहौल-स्पीति घाटी में। इसके बावजूद, कमेटी के दिए सुझावों को अनदेखा कर नये पनबिजली घरों के निर्माण कार्य को मंजूरी देना और आवंटन जारी है। तो आगे की राह क्या है? पहला कदम यह अहसास करने का है कि पनबिजली घर पर्यावरण और मानव के लिए खतरा हैं। इसलिए नए खुले लाहौल-स्पीति जिले और इस जैसी भौगोलिकता एवं नाजुकपन वाले क्षेत्रों में विनाश और त्रासदी बनाने वाले कामों को किसी भी कीमत पर रोका जाए। सतत अक्षय ऊर्जा बनाना भारत की पहली तरजीह है, जैसा कि हाल ही प्रधानमंत्री ने जिक्र किया है कि पनबिजली की बजाय सौर, पवन और हाइड्रोजन चालित पॉवर का दोहन किया जाए। सरकार को मुनाफे के बजाय लोगों का भविष्य अक्षुण्ण बनाना होगा। इससे अधिक यह कि 11,000 वर्ग किमी में फैली लाहौल-स्पीति को प्रकृति ने भरपूर सूर्य रोशनी और पवन ऊर्जा से नवाज़ा हुआ है। भारत, जो कि सौर ऊर्जा में पहले ही विश्व में अग्रणी है, उसे चाहिए कि इस अकूत अक्षय स्रोत का दोहन करे। यही समय है जब राज्य सरकार को भी इसकी क्षमता का अहसास हो और पनबिजली पर ज्यादा झुकाव रखने वाले रवैया का पुनर्मूल्यांकन करे, जबकि सबूत साफ बता रहे हैं कि मानव जीवन और पहाड़ी क्षेत्र को इससे कितना बड़ा नुकसान है। इस सब के आलोक में मंजूर की गईं अनेकानेक परियोजनाओं पर तुरंत रोक लगाई जाए। दूसरा, सड़क और उच्च मार्ग बनाते समय निर्माण के लिए पहाड़ हिलाने वाले विस्फोट करने की जगह आधुनिक एवं पर्यावरण मित्र तकनीक एवं डिज़ाइन का प्रयोग किया जाए। तीसरा, विकास परियोजनाओं की एवज पर पैदा होने वाले जोखिम और लोगों के जीवन पर खतरे का वास्तविक आकलन किया जाए, पर्यावरणीय बदलावों की निगरानी, यथेष्ट स्थानीय एवं नीति आधारित शमन उपायों की शिनाख्त की जाए, इस बारे में सामाजिक संस्थान और समुदायों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। अंत में, मौजूदा दुनिया जिसमें हम रह रहे हैं और जो आपस में जुड़ी हुई है और सब एक-दूसरे पर आधारित हैं, हमारे जीवन की गुणवत्ता एवं वजूद पूरी तरह शुद्ध पानी, हवा, भोजन इत्यादि पर निर्भर है। विकास के नाम पर होने वाला कोई भी विनाश हमारे पर्यावरण और मानव भलाई की कीमत की एवज पर होगा। हमें विकास का ऐसा मॉडल अपनाना होगा, जिससे कि लोगों का स्वास्थ्य और भलाई की चिंता को आर्थिक तरक्की और मुनाफा से ऊपर रखा जाए।

लेखक विश्व स्वास्थ्य संगठन के क्षेत्रीय अधिकारी हैं।

पर्यावरण

जग्गी वासुदेव

पर्यावरण की चिंता हर किसी की चिंता नहीं बन पाई है। मैंने कहा था कि 'मैं इकॉनमी और इकॉलजी यानी अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के बीच विवाह करवा रहा हूं।' ये दोनों एक-दूसरे के खिलाफ नहीं जा सकतीं। आपको साथ-साथ जाना होगा। मेरे ख्याल से यह बुनियादी संदेश है जो लोगों तक पहुंचना चाहिए कि हमें कारोबार को नष्ट करने की जरूरत नहीं है। मैं आपको एक छोटा सा उदाहरण देता हूं। सत्ताइस सालों तक मैं अपने होम टाउन वापस नहीं गया। मतलब, मैं अपने परिवार से मिलने जाता था मगर वहां मैंने कोई कार्यक्रम नहीं किया क्योंकि मैं अपने शहर में थोड़ा गुमनाम रहना चाहता था, जो कि हो नहीं पाया..। करीब दस बारह साल पहले उन्होंने जोर दिया कि मुझे एक कार्यक्रम करना चाहिए इसलिए मैंने एक कार्यक्रम वहां किया। कार्यक्रम के अंत में मेरी अंग्रेजी टीचर आकर मुझसे मिलीं और मुझे गले लगा लिया, वह बोलीं, 'अब मुझे समझ आया कि तुमने मुझे 'रॉबर्ट फॉस्ट' क्यों नहीं पढ़ाने दिया।' मैंने कहा, 'मैम, मैं आपको रॉबर्ट फॉस्ट क्यों नहीं पढ़ाने देता? मुझे फॉस्ट पसंद हैं, मैं उनके देश भी गया और मेरे पास उनकी अपनी आवाज में उनकी कविताओं का पाठ भी है।' मैंने कहा, 'मैं क्यों नहीं आपको पढ़ाने देता?' वह बोलीं, 'तुम्हें याद नहीं है?' और उन्होंने मुझे याद दिलाया। हुआ यह था कि हम हमेशा इंग्लिश कवियों को ही पढ़ते रहे थे, और वह हमें अमेरिकी कविता से परिचित कराना चाहती थीं। उन्होंने यह कहते हुए रॉबर्ट फॉस्ट का परिचय दिया कि वह एक महान कवि हैं। उन्होंने पहली कविता पढ़नी शुरू की, 'वुड्स आर लवली, डार्क एंड डीप..'। मैंने कहा, 'रुकिए।' मैं ऐसे व्यक्ति की कविता नहीं सुनना चाहता था जो पेड़ को लकड़ी (वुड) कहता हो। वह बोलीं, 'नहीं, नहीं, रॉबर्ट फॉस्ट एक महान..'। मैंने कहा, 'मुझे परवाह नहीं कि वह कितने महान हैं! जो आदमी पेड़ को लकड़ी कहता हो, मैं उसकी कविता नहीं सुनना चाहता।' यह ऐसा ही है जैसे एक बाघ आपकी ओर देखकर सोचे 'ओह! यह तो नाश्ता है!' अपने मन में हमें इसे बदलना होगा। पेड़ कोई मेज नहीं है, कोई कुर्सी नहीं है, फर्नीचर नहीं है, पेड़ एक असाधारण जीवन है और हमारे जीवन का आधार है। इसे हर किसी के लिए एक जीवंत अनुभव बनना होगा तभी उन्हें बचाया जा सकेगा।

पंजाब सरकार में कलह

कोरोना से जंग में कारगर है खानपान और जीवन शैली में बदलाव

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

जर्नल सांइटिफिक रिपोर्टस में प्रकाशित हालिया रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकल कर आया है कि गंभीर कोविड की स्थिति में भी विटामिन डी की बदौलत जीवन बचाया जा सकता है। आयरलैंड के ट्रिनिटी कॉलेज, स्काटलैंड की एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी और चीन की झेजियांग यूनिवर्सिटी की एक टीम ने विटामिन डी को जीवन रक्षक के रूप में कारगर माना गया है। दुनिया के अनेक विश्वविद्यालयों के शोधार्थियों ने यह माना है कि विटामिन डी की पूर्ति होने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और अन्य बीमारियों ही नहीं अपितु कोरोना जैसी महामारी से लड़ने में भी इसे कारगर माना गया है। कोरोना महामारी से बचाव के लिए अन्य कारगर उपायों के साथ ही दुनियाभर के चिकित्सकों ने एक राय से इम्यूनिटी बढ़ाने पर जोर दिया है। कोरोना के इलाज और उसके बाद पोस्ट कोविड में चिकित्सकों ने जो दवाइयां प्राथमिकता से लेने की सलाह दी है या जिन पर जोर दिया है उनमें विटामिन सी, विटामिन डी, जिंक और आयरन प्रमुख है। विटामिन, जिंक और आयरन की कमी को हम घर बैठे अपनी दिनचर्या और खानपान से पूरा कर सकते हैं। पर यह निराशाजनक स्थिति है कि हम महंगी से महंगी दवाएं खाने के लिए तैयार हैं पर अपनी दिनचर्या या खानपान में बदलाव लाने को तैयार नहीं है। यही कारण है कि हमारी केमिकल्स और महंगी दवाओं पर निर्भरता अधिक बढ़ने के साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होने लगी है। वैसे तो सभी विटामिनों की कमी को खानपान, रहन-सहन के तरीकों से दूर किया जा सकता है। विटामिन डी की कमी को केवल और केवल 20 मिनट धूप में बैठकर पूरा कर सकते हैं। हड्डियों में दर्द, फ्रेक्चर, जल्दी-जल्दी थकान, घाव भरने में देरी, मोटापा, तनाव, अल्जाइमर जैसी बीमारियां आज हमारे जीवन का अंग बन चुकी हैं। शरीर की जीवनी शक्ति या कहें कि प्रकृति से मिलने वाले स्वास्थ्यवर्द्धक उपहारों से हम मुंह मोड़ चुके हैं और नई से नई बीमारियों को आमंत्रित करने में आगे रहते हैं। यह आश्चर्यजनक लेकिन जमीनी हकीकत है कि मात्र पांच प्रतिशत महिलाओं में ही विटामिन डी की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता है। देश की 68 फीसदी महिलाओं में तो विटामिन डी की अत्यधिक कमी है। इसी तरह एसोचैम द्वारा पिछले दिनों जारी एक रिपोर्ट में सामने आया है कि 88 फीसदी दिल्लीवासियों में विटामिन डी की कमी है। यह स्थिति दिल्ली में ही नहीं अपितु कमोबेश देश के सभी महानगरों में देखने को मिल जाएगी। इसका कारण या निदान कहीं बाहर ढूंढने के स्थान पर हमें हमारी जीवन शैली में थोड़ा बदलाव करके ही पाया जा सकता है। पर इसे दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि आधुनिकता की दौड़ में हम प्रकृति से इस कदर दूर होते जा रहे हैं कि जल, वायु, हवा, धूप, अग्नि और न जाने कितने ही मुफ्त में प्राप्त प्राकृतिक उपहारों का उपयोग ही करना छोड़ दिया है। ऐसा नहीं है कि लोग जानते नहीं है पर जानने के बाद भी आधुनिकता का बोझ इस कदर छाया हुआ है कि हम प्रकृति से दूर होते हुए कृत्रिमता पर आश्रित होते जा रहे हैं। दरअसल हमारी जीवन शैली ही ऐसी होती जा रही है कि प्रकृति की जीवनदायिनी शक्ति से हम दूर होते जा रहे हैं। कुछ तो दिखावे के लिए तो कुछ हमारी सोच व मानसिकता के कारण। विटामिनों की कमी के कारण हजारों रुपए के केमिकल से बनी दवा तो खाने को हम तैयार हैं पर केवल कुछ समय धूप सेवन या अन्य प्राकृतिक उपायों के लिए समय नहीं निकाल सकते हैं। आज स्कूलों में आयोजित मड उत्सव को तो धूमधाम से मनाने को तैयार हैं पर क्या मजाल जो बच्चे को खुले में खेलने के लिए छोड़ दें। मिट्टी में खेलने और खेलते-खेलते लग जाने पर प्राकृतिक तरीके से ही इलाज भी हो जाता है। तीन से चार दशक पहले कहीं लग जाने पर खून आता तो वहां पर स्वयं का मूत्र विसर्जन करने या मिट्टी की ठीकरी पीस कर लगाने या चोट गहरी हो तो कपड़ा जलाकर भर देने या खून लगातार आ रहा हो तो बीड़ी का कागज लगा देना तात्कालिक और कारगर इलाज होता था। आज जरा-सी चोट लगते ही हम हॉस्पिटल की ओर भागते हैं। यह सब उस जमाने की बात है जब टिटनेस का सर्वाधिक खतरा होता था। आज यूरोपीय देश प्रकृति के सत्य को स्वीकार कर प्रकृति की ओर आने लगे हैं। खाना खाने से पहले हाथ धोने की सनातन परंपरा को विदेशी अपनाने लगे हैं। स्कूलों में रेन डे मनाने लगे हैं जबकि बरसात में बच्चा जरा सा भीग जाए तो हम उसके पीछे पड़ जाते हैं। एक जमाना था तब पहली बरसात में क्या बड़े-क्या छोटे नहाकर आनंद लेते थे। यह केवल आनंद की बात नहीं बल्कि गर्मी के कारण हुई भमोरी का प्राकृतिक इलाज भी था। आज हम न जाने कौन-कौन से पाउडरों का प्रयोग करने लगते हैं। कैलिफोर्निया के टॉरो विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में सामने आया है कि दुनिया में बड़ी संख्या में लोगों ने खुले में समय बिताना छोड़ दिया है। बाहर जाते हैं तब दुनिया भर के पाउडर, सनस्क्रीन और ना जाने किस किसका उपयोग करके निकलते है जिससे शरीर को जो प्राकृतिक स्वास्थ्यवर्द्धकता मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पाती है और यही कारण है कि आए दिन बीमारियां जकड़ती रहती है। यहां तक कि नई-नई और गंभीर बीमारियों से ग्रसित होने लगे हैं। ऐसे में अब समय आ गया है जब हम प्रकृति की और लौटें और प्रकृति से सीधा संवाद कायम करें। इसके लिए सरकारी और गैरसरकारी स्तर पर साझा प्रयास करने होंगे। यह आज की आवश्यकता भी है तो समय की मांग भी। (लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रुपये पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा।

मिथुन जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कर्क आर्थिक योजना फलीभूत होगी। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय से मन अशान्त रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। व्यवसायिक व पारिवारिक योजना सफल रहेगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

कन्या संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ भी रहेगी।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खान-पान में संयम रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सकारात्मक वैश्विक संकेतों से शेयर बाजार में शानदार तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी ने बनाया नया रिकॉर्ड

मुंबई। अमेरिका से निकले सकारात्मक वैश्विक संकेतों ने गुरुवार के कारोबारी सत्र के दौरान भारत के प्रमुख शेयर सूचकांकों को रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचा दिया। इस बढ़त के साथ ही, दोनों प्रमुख सूचकांक- एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी50- ने यूएस फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखने के बाद अपने नए रिकॉर्ड इंट्रा-डे हाई को छुआ। इंट्रा-डे में सेंसेक्स 59,957.25 अंक की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी50 ने 17,843.90 अंक के उच्च स्तर को छुआ। प्रारंभ में, भारतीय इक्विटी बेंचमार्क सूचकांकों ने बाजारों में औसत से ऊपर होने के साथ गैप-अप ओपनिंग की। क्षेत्रवार, सभी सूचकांकों में रियल्टी, पीएसयू और मेटल शेयरों की अगुवाई में खरीदारी देखी गई। नतीजतन, एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 59,885.36 अंक पर बंद हुआ, जो अपने पिछले बंद से 958.03 अंक या 1.63 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह, एनएसई निफ्टी50 में तेजी आई। यह अपने पिछले बंद से 276.30 अंक या 1.57 प्रतिशत अधिक बढ़कर 17,822.95 अंक पर पहुंच गया।

माइक्रोसॉफ्ट ने बेहतर प्रदर्शन और कैमरों के साथ सरफेस डुओ 2 को किया लॉन्च

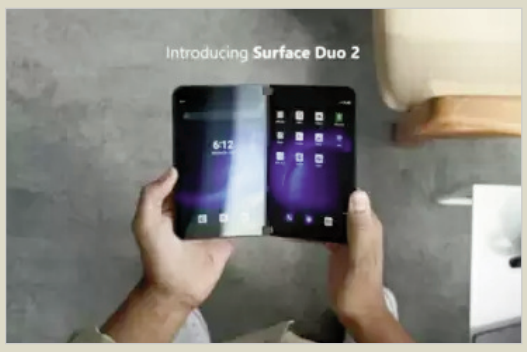

सैन फ्रांसिस्को। टेक दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट ने अगली जनरेशन के सरफेस डिवाइस के साथ अपना दूसरा फोल्डिंग स्मार्टफोन सरफेस डुओ 2 लॉन्च किया है। ग्लेशियर या एक नए ओब्सीडियन में उपलब्ध, सरफेस डुओ2 1499.99 डॉलर से शुरू होता है और चुनिंदा बाजारों में प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध है। कंपनी ने एक बयान में कहा,सरफेस डुओ 2 सर्फेस डुओ लाइन में नया और बेहतर डिजाइन लाता है। फिर भी मल्टीटास्क की क्षमता पर जोर देते हुए, सर्फेस डुओ 2 में बड़ी स्क्रीन, बढ़ी हुई स्थायित्व, एक गतिशील ट्रिपल-लेंस कैमरा, लाइटनिंग-फास्ट 5 जी और एक रीढ़ है, जो सूचनाएं प्रदर्शित करती है, जब डिवाइस बंद हो जाता है। ओएलईडी डिस्प्ले, प्रत्येक का आकार 5.8-इंच है, 1344एक्स 1892 पिक्सल का स्क्रीन रिजॉल्यूशन, एक काज के जरिये जुड़ा हुआ है और कॉर्निंग के गोरिल्ला ग्लास द्वारा संरक्षित है। दोनों स्क्रीन में 90हर्ट्ज की ताजा दर है और सामने आने पर तिरछे आकार में 8.3 इंच हैं। डिवाइस में 16एमपी अल्ट्रा-वाइड लेंस, 12एमपी वाइड एंगल लेंस और 12एमपी टेलीफोटो लेंस के साथ पीछे की तरफ ट्रिपल-लेंस कैमरा सेटअप है। हुड के तहत, डिवाइस चिप पर क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 888 सिस्टम द्वारा संचालित है, जिसमें इएसआईएम और नैनो सिम के लिए 5जी सपोर्ट, 8जीबी रैम प्लस 512जीबी तक स्टोरेज है। यह गूगल काएंड्रॉयड 11 पर आधिरत है। कंपनी ने 10.5-इंच डिस्प्ले, डॉल्बी ऑडियो और एक वेबकैम के साथ सरफेस गो 3 की भी घोषणा की है। माइक्रोसॉफ्ट सरफेस गो 3 टैबलेट माइक्रोसॉफ्ट सरफेस गो 2 टैबलेट को सफल बनाता है जिसे मई 2020 में वापस लॉन्च किया गया था। यह 10वीं पीढ़ी के इंटेल कोर आई3 प्रोसेसर द्वारा संचालित है, जिसे 4जीबी प्लस 8जीबी रैम के साथ जोड़ा गया है। स्टोरेज स्पेस के लिए यूजर्स 64जीबी इएमएमसी, 128जीबी एसएसडी या 256जीबी एसएसडी स्टोरेज विकल्पों में आता हैं।

मोदी भारत में कारोबारी अवसरों पर वैश्विक सीईओ के साथ चर्चा करेंगे

वाशिंगटन (एजेंसी),

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह यहां मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) के साथ बैठक के दौरान भारत में आर्थिक अवसरों को रेखांकित करेंगे। प्रधानमंत्री बृहस्पतिवार को अमेरिका के शीर्ष पांच सीईओ के साथ सीधी बैठक करने वाले हैं। इन सीईओ में दो भारतीय मूल के अमेरिकी हैं - एडोब के शांतनु नारायण और जनरल एटॉमिक्स के विवेक लाल। इसके अलावा अन्य तीन सीईओ - क्वालकॉम के क्रिस्टियानो ई आमोन, फर्स्ट सोलर के मार्क विडमार और ब्लैकस्टोन के स्टीफन ए श्वार्जमैन हैं। पहले मोदी ने बुधवार को कहा कि उनका अमेरिका दौरा भारत-अमेरिकी वैश्विक व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूती देने, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ संबंधों को प्रगाढ़ बनाने और महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर आपसी सहयोग को आगे बढ़ाने का एक मौका होगा। पांच अलग-अलग प्रमुख क्षेत्रों के अमेरिकी सीईओ के साथ प्रधानमंत्री की बैठक उनकी सरकार की प्राथमिकताओं को दर्शाती है। नारायण के साथ बैठक आईटी और डिजिटल प्राथमिकता को दर्शाती है, जिस पर भारत सरकार जोर दे रही है। मोदी की लाल के साथ बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि जनरल एटॉमिक्स सैन्य ड्रोन प्रौद्योगिकी में अग्रणी है। भारत अपने सशस्त्र बलों की तीनों शाखाओं के लिए महत्वपूर्ण संख्या में ड्रोन खरीदने की प्रक्रिया में है। देश ने जनरल एटॉमिक्स से कुछ ड्रोन लीज पर लिए हैं। 5जी तकनीक को सुरक्षित बनाने के लिए चिप दिग्गज क्रिस्टियानो अमोन के साथ बैठक महत्वपूर्ण है। इस यात्रा में मोदी कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन सहित विश्व के अन्य नेताओं के साथ वार्ता करेंगे और संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) को संबोधित भी करेंगे।

बढ़ती मांग के कारण रिफाइंड सोया तेल वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली, बढ़ती मांग के कारण सटोरियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को रिफाइंड सोया तेल की कीमत 19.2 रुपये की तेजी के साथ 1,313.7 रुपये प्रति 10 किग्रा हो गई। एनसीडीईएक्स में रिफाइंड सोया तेल के अक्टूबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 19.2 रुपये अथवा 1.48 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,313.7 रुपये प्रति 10 किग्रा हो गई जिसमें 26,445 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि व्यापारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने के कारण वायदा कारोबार में रिफाइंड सोया तेल कीमतों में तेजी दर्ज हुई।

ओयो अगले सप्ताह 1.2 अरब डॉलर के आईपीओ के लिए आवेदन करेगी

नयी दिल्ली,

आतिथ्य सत्कार क्षेत्र की फर्म ओयो आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए 1.2 अरब डॉलर तक की धनराशि जुटाने की योजना बना रही है और सूत्रों ने बृहस्पतिवार को पीआईटी-भाषा को बताया कि इस संबंध में सेबी के पास अगले सप्ताह मसौदा रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ओयो ने अपने सार्वजनिक निर्गम के प्रबंधन के लिए जेपी मॉर्गन, सिटी और कोटक महिंद्रा कैपिटल जैसे निवेश बैंकों को नियुक्त किया है। इस संबंध में खबर लिखे जाने तक ओयो से टिप्पणी नहीं मिल सकी थी। एक नियामक सूचना के मुताबिक पिछले हफ्ते ओयो की मूल कंपनी ओरावेल स्टेज के शेयरधारकों ने कंपनी को एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से पब्लिक लिमिटेड कंपनी में बदलने की मंजूरी दी थी। इससे पहले ओरावेल स्टेज के बोर्ड ने कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी को 1.17 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 901 करोड़ रुपये करने की मंजूरी दी थी।

इस कंपनी के IPO ने एक ही झटके में 500 कर्मचारियों को बनाया करोड़पति

नई दिल्ली (एजेंसी)-

Initial Public Offering यानी की **IPO** को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई हैं। दरअसल, इन दिनों मार्केट में आईपीओ की बहार है और निवेशक बढ़कर चढ़कर इसमें हिस्सा ले रहे हैं। बता दें कि इसी तरह बिजनेस सॉफ्टवेयर बनाने वाली भारतीय कंपनी **Freshworks** की अमेरिकी शेयर एक्सचेंज **Nasdaq** पर शानदार लिस्टिंग होने से करीब 500 कर्मचारी करोड़पति बन गए हैं। दरअसल, इस लिस्टिंग से कंपनी ने 1 अरब डॉलर से ज्यादा (करीब 7500 करोड़ रुपये) तो जुटाए ही हैं, इससे इसके सैकड़ों कर्मचारी अचानक करोड़पति बन गए हैं। इसके फाउंडर और **CEO** गिरीश मात्रुबुथम और शुरुआती इनवेस्टर्स एक्सेल और सिकोइया को काफी फायदा मिला है, इसके साथ ही कंपनी के सैंकड़ों एंप्लॉयीज भी अब मिलियनेयर बन गए हैं। बता दें कि गिरीश मात्रुबुथम ने %रजनीकांत की तरह कमाल% कर दिखाया है, गिरीश मात्रुबुथम रजनीकांत के बहुत बड़े फैन हैं और वह उन्हें अपना रोल मॉडल मानते हैं।

500 से ज्यादा कर्मचारियों को करोड़पति बनाया, 70 कर्मचारी 30 साल से भी कम उम्र के

तमिलनाडु के छोटे से शहर त्रिची में 700 वर्ग फुट के गोदाम से शुरू होने वाली उनकी कंपनी आज अमेरिका के दिग्गज शेयर एक्सचेंज **Nasdaq** में लिस्ट होकर करीब 1.3 अरब डॉलर जुटा चुकी है, इतना ही नहीं कंपनी ने 500 से ज्यादा कर्मचारियों को करोड़पति बना दिया है, इनमें करीब 70 कर्मचारी 30 साल से भी कम उम्र के हैं और कई ने हाल के वर्षों में कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद कंपनी जॉइन की थी।

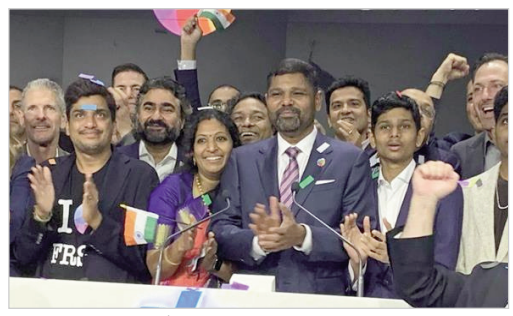

कंपनी के कर्मचारी भी हैं कंपनी के शेयरहोल्डर्स

एक इंटरव्यू में मात्रुबुथम ने कहा कि हमारे कर्मचारी कंपनी के शेयरहोल्डर्स भी हैं। इस **IPO** ने मुझे एक **CEO** के तौर पर शुरुआती शेयरहोल्डर्स के प्रति अपनी जिम्मेदारी को पूरा करने का मौका दिया है। मात्रुबुथम ने कहा कि कुछ युवा एंप्लॉयीज ने कुछ वर्ष पहले ही कॉलेज से डिग्री ली थी और अपनी मेहनत से उन्होंने सफलता पाई है। गौरतलब है कि कंपनी के दफ्तर चेन्नई और अमेरिका के **San Mateo** में हैं। यह सॉफ्टवेयर ऐज अ सर्विस (**SaaS**) कंपनी है. कंपनी ने इस आईपीओ से **Nasdaq** पर एक अरब डॉलर से ज्यादा जुटाए हैं।

कंपनी को 12.3 अरब डॉलर का मार्केट कैप मिला

Freshworks के स्टॉक ने बुधवार को **Nasdaq** पर 43.5 डॉलर प्रति शेयर के प्राइस पर कारोबार शुरू किया, जो कंपनी के 36 डॉलर प्रति शेयर के लिस्टिंग प्राइस से 21 प्रतिशत अधिक था, इससे कंपनी को 12.3 अरब डॉलर का मार्केट कैप मिला है। **Freshworks** ने दो वर्ष पहले 3.5 अरब डॉलर के वैल्यूएशन पर सिकोइया कैपिटल और एक्सेल जैसे इनवेस्टर्स से 15.4 करोड़ डॉलर का फंड हासिल किया था।

त्योहारी सीजन को लेकर इंडिगो को तेजी की उम्मीद, मांग बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रमुख एयरलाइन कंपनी इंडिगो आगामी त्योहारी सीजन के साथ-साथ दिसंबर 2021 तक संभावित रूप से पूर्व-कोविड यातायात स्तर तक पहुंचने के लिए क्षमता वृद्धि पर उत्साहित है। इसके अलावा, एयरलाइन का मानना है कि आर्थिक पलटाव, कोविड 2.0 का प्रभाव और त्वरित टीकाकरण अभियान यातायात वृद्धि को और पूरक करेगा। बाजार हिस्सेदारी के मामले में भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ रोनोजॉय दत्ता के अनुसार, त्योहारों के मौसम के लिए मेरी उम्मीदें बहुत तेज हैं और मुझे लगता है कि हमारे पास छुट्टियों का मौसम बहुत अच्छा होगा। परंपरागत रूप से, भारत में त्योहारी सीजन उच्च हवाई यातायात वृद्धि की शुरुआत करता है। इस साल यह अक्टूबर से शुरू होकर नवंबर के मध्य तक चलेगा। मेरा अनुमान है कि दिसंबर तक हम घरेलू स्तर पर पूर्व-कोविड स्तरों पर वापस आ जाएंगे। अभी तक हम कोविड से पहले की संख्या से काफी नीचे हैं। कोविड से पहले, हम एक दिन में लगभग 1,500 प्रस्थान करते थे। हालांकि यह अब 1,100 हो गया है, हम अभी भी कोविड से पहले की संख्या से काफी नीचे चल रहे हैं। क्षमता उपयोग मानदंडों के संदर्भ में, दत्ता ने कहा कि कंपनी जल्द ही 100 प्रतिशत घरेलू क्षमता प्राप्त करने के लिए केंद्र के संपर्क में है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है, हमें जल्द ही 100 प्रतिशत मिल जाएगा और यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय परिचालन को फिर से शुरू करने की अनुमति भी मिल जाएगी। उन्होंने कहा, अगले साल के जुलाई तक हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पूर्व-कोविड स्तरों पर ठीक हो जाना चाहिए था। वर्तमान में, केंद्र ने एयरलाइंस को सीमित घरेलू परिचालन क्षमता को 85 प्रतिशत तक तैनात करने की अनुमति दी है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि रुकी हुई मांग अब अधिक स्थायी और अनुमानित हो गई है जिससे विकास को गति मिलने की उम्मीद है। पिछले साल इस अवधि के लिए कोई उड़ान नहीं थी, परिणामस्वरूप मांग में भारी वृद्धि हुई थी, लेकिन यह धीरे-धीरे समाप्त हो गया। उन्होंने कह, अब, मुझे नहीं लगता कि यह मांग में कमी है, लेकिन मांग में क्रमिक वृद्धि है। महामारी की प्रगति पर, दत्ता ने कहा कि मौजूदा स्थितियां स्थिर हैं, लेकिन नए वेरिएंट को लेकर आगाह रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, अगर आप दुनिया भर में देखें, तो इस डेल्टा संस्करण ने स्पष्ट रूप से कई देशों में तबाही मचाई है। किसी तरह, हम सबसे आगे हैं क्योंकि हम पहले हिट हुए थे। इसलिए वे दूसरे देशों में जो कहर देख रहे हैं, हमने पहले ही मई में इसका अनुभव कर चुके हैं। तो कुछ हद तक, मुझे लगता है कि यह हमारे पीछे है। उन्होंने कहा, अभी के लिए चीजें काफी स्थिर दिख रही हैं। वर्तमान में, कंपनी के पास 270 से अधिक विमानों का बेड़ा है। यह 70 घरेलू और 24 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों को जोड़ने वाली प्रतिदिन लगभग 1,100 उड़ानें संचालित करता है।

एसरी इंडिया ने क्लाउड-आधारित ड्रोन मैपिंग सॉल्यूशंस पेश किया

नई दिल्ली।

भारत में ड्रोन के माध्यम से एकत्र किए गए भू-स्थानिक डेटा के भंडारण और प्रसंस्करण को आसान बनाने के लिए, प्रमुख भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) सॉफ्टवेयर और समाधान प्रदाता एसरी इंडिया देश में अपने क्लाउड-आधारित ड्रोन मैपिंग सॉल्यूशंस - साइट स्कैन - पेश कर रहा है। सॉल्यूशंस, जिसे सरकार द्वारा अनुमोदित क्लाउड पर भारत में होस्ट किया गया है, यह सुनिश्चित करेगा कि ड्रोन डेटा को सरकारी नियमों के अनुपालन में भारत के भीतर संग्रहीत और संसाधित किया जाए। एसरी इंडिया के प्रबंध निदेशक अगेंद्र कुमार ने एक बयान में कहा, साइटस्कैन एक ऐसे सॉल्यूशंस की आवश्यकता को संबोधित करता है जो ड्रोन उड़ान, डेटा कैप्चर, प्रसंस्करण और खपत को सरल बनाता है। उन्होंने कहा, यह निर्माण, इंजीनियरिंग, उपयोगिताओं, प्राकृतिक संसाधनों और सरकारी एजेंसियों सहित सभी क्षेत्रों में फायदेमंद है। यह हमारे साथी समुदाय और कई ड्रोन सेवा प्रदाताओं के लिए भी एक महान प्रवर्तक होगा। कंपनी ने कहा कि यह नए ड्रोन नियम 2021 पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय की हालिया घोषणा और नए भू-स्थानिक डेटा दिशानिर्देशों के उदारीकरण के अनुरूप है। इन नीतिगत परिवर्तनों ने अब कंपनियों और सरकारी एजेंसियों के लिए स्वामित्व, स्मार्ट सिटी कार्यक्रम, भारतमाला परियोजना, स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन और विभिन्न अन्य बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं जैसी बड़े पैमाने की योजनाओं के लिए ड्रोन के माध्यम से भू-स्थानिक डेटा एकत्र करना आसान बना दिया है। आर्कजीआईएस के लिए साइट स्कैन भारत या विदेशों में निर्मित अधिकांश ड्रोन द्वारा कैप्चर किए गए डेटा को संसाधित कर सकता है। व्यापक ड्रोन मैपिंग सॉल्यूशंस में उड़ान योजना, डेटा कैप्चर, डेटा प्रोसेसिंग, विश्लेषण, डेटा साझाकरण और ड्रोन बेड़े प्रबंधन शामिल हैं और असीमित भंडारण और कंप्यूटिंग के साथ एक सेवा के रूप में सॉफ्टवेयर यानी सॉफ्टवेयर एज आ सर्विस (सास) के रूप में पेश किया जाता है।

उबर ईट्स के पिक अप मैप फीचर से खोज सकेंगे करीबी रेस्तरां

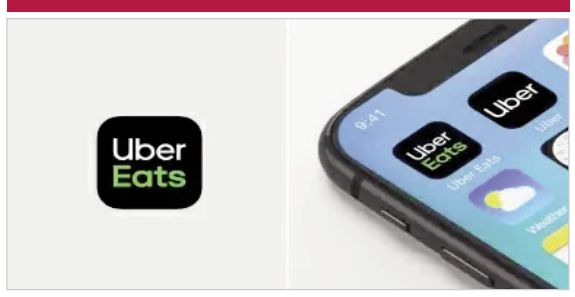

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उबर ईट्स अपने ऐप में एक नया पिकअप मैप फीचर जोड़ रहा है जो उपयोगकर्ताओं को उनके करीब के रेस्तरां या व्यापारियों को खोजने की अनुमति देगा। नक्शा उपयोगकर्ताओं को स्थानीयकृत करता है, जिससे उन्हें यह टाइप करने की अनुमति मिलती है कि वे किस तरह के भोजन की तलाश कर रहे हैं, या तो शब्दों या इमोजी का उपयोग करके यह देखने के लिए कि उपयोगकर्ता के स्थान से सटीक दूरी सहित आस-पास क्या है। टेकक्रंच की रिपोर्ट के अनुसार, नए मैप फीचर ईट्स को बनाने के पीछे उबर के उद्देश्य का लैटेस्ट उदाहरण है- एक व्यावसायिक इकाई जो कंपनी का मानना है कि यह अपने लाभप्रदता लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करेगी। इस हफ्ते की शुरुआत में, उबर ने कहा था कि वह तीसरी तिमाही में उम्मीद से पहले मुनाफे के एक उपाय को हिट कर सकता है। उबर ने कहा कि यह तिमाही में सकल बुकिंग में वृद्धि और मजबूत समायोजित ईबीआईटीडीए की उम्मीद करता है, जैसा कि उसने अपनी पिछली निवेशक प्रस्तुति में शेयरधारकों के लिए अनुमान लगाया था। उबर ईट्स ने कहा कि नई सुविधा 10 में से आठ उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रिया से प्रेरित थी, जिन्होंने आस-पास के भोजन की खोज के लिए अन्य मानचित्र ऐप पर स्विच किया है। उबर ईट ऐप और उबर ऐप में ही, उपयोगकर्ताओं को सबसे ऊपर डिलीवरी या पिकअप चुनने के विकल्प दिखाई देंगे। जब कोई उपयोगकर्ता विशेष रूप से पिकअप का चयन करता है तो मैप सक्रिय हो जाता है। बर्गर या पिज्जा इमोजी में टाइप करने से उपयोगकर्ताओं को पास के बर्गर या पिज्जा जॉइंट्स पर ले जाना चाहिए, जिसके बारे में कंपनी ने कहा है कि इससे कार्यक्षमता में वृद्धि होती है जो समय बचाने वाला और स्थानीय वाणिज्य का पता लगाने का एक मजेदार तरीका है।

इंफोसिस ने कहा, कुछ उपयोगकर्ताओं को अभी भी दिक्कत, आईटी पोर्टल को सुविधाजनक बनाने पर काम जारी

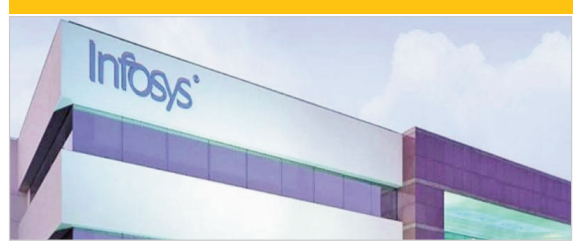

नयी दिल्ली (एजेंसी),

प्रमुख आईटी कंपनी इंफोसिस ने बृहस्पतिवार को स्वीकार किया कि कुछ उपयोगकर्ताओं को अभी भी आयकर पोर्टल तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और भरोसा दिया कि वह आयकर विभाग के सहयोग से पोर्टल को सुविधाजनक बनाने के लिए तेजी से काम कर रही है।

जून में पोर्टल की शुरुआत के बाद के महीनों में लगातार गड़बड़ियों के चलते इंफोसिस को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। आईटी कंपनी ने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में पोर्टल के उपयोग में लगातार वृद्धि देखी गई है, और तीन करोड़ से अधिक करदाताओं ने पोर्टल में लॉग इन किया है और सफलतापूर्वक विभिन्न लेनदेन को पूरा किया। इंफोसिस ने एक बयान में कहा, ''पोर्टल ने करोड़ों करदाताओं के लेनदेन को सफलतापूर्वक पूरा करने के साथ लगातार सुधार किया है। कंपनी कुछ उपयोगकर्ताओं को अभी भी पेश आ रही कठिनाइयों को स्वीकार करती है और आयकर विभाग के सहयोग से इस पर तेजी से काम किया जा रहा है, ताकि उपयोगकर्ताओं के अनुभव को और बेहतर बनाया जा सके।''

बयान में कहा गया कि पिछले कुछ हफ्तों में पोर्टल ने ''करदाताओं'' की चिंताओं का समाधान किया है और इसके उपयोग में लगातार बढ़ोतरी हुई है।

बयान के मुताबिक अब तक तीन करोड़ से अधिक करदाताओं ने पोर्टल में लॉग इन किया है और सफलतापूर्वक विभिन्न लेनदेन पूरे किए हैं। इंफोसिस ने कहा कि वह कुछ उपयोगकर्ताओं को पेश आ रही दिक्कतों को स्वीकार करती है और उनकी चिंताओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए 1,200 से अधिक करदाताओं के साथ सीधे जुड़ी हुई है। कंपनी ने कहा कि वह चार्टर्ड एकाउंटेंट समुदाय के साथ मिलकर इन चुनौतियों को तेजी से हल करने के लिए काम कर रही है।

विस्तारा 7 नवंबर से दिल्ली-पेरिस के बीच उड़ान सेवा करेगी संचालित

नई दिल्ली (एजेंसी)।

फुल सर्विस कैरियर विस्तारा 7 नवंबर से दिल्ली से पेरिस के चार्ल्स डी गॉल सिरपोर्ट के बीच एक विशेष नॉन-स्टॉप उड़ान संचालित करेगी। एयरलाइन इन उड़ानों को भारत और फ्रांस के बीच द्विपक्षीय ट्रांसपोर्ट बबल समझौते के हिस्से के रूप में संचालित करेगी। एयरलाइन दोनों शहरों के बीच सप्ताह में दो बार बुधवार और रविवार को उड़ान भरेगी। विस्तारा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी लेस्ली थंग ने कहा, हम पेरिस के लिए उड़ानें शुरू करते हुए बहुत खुश हैं, यह एक ऐसा कदम जो हमारे वैश्विक नेटवर्क को बढ़ाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने कहा, ये उड़ानें हमें यूरोप में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने और दुनिया के सामने भारत की बेहतरीन फुल कैरियर सर्विस पेश करने का मौका देती हैं। एयरलाइन के अनुसार, दिल्ली-पेरिस मार्ग पर विस्तारा का बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान सेवा प्रदान करेगा।

आईपीएल 2021: दिल्ली कैपिटल्स ने फिर किया शीर्ष पर कब्जा, चेन्नई को छोड़ा पीछे

दुबई (एजेंसी)।

आईपीएल 2021 के 33वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 8 विकेट से हरा दिया. इस जीत के बाद दिल्ली कैपिटल्स की टीम अंकतालिका में पहले पायदान पर पहुंच गई और उसने चेन्नई सुपर किंग्स को पीछे छोड़ दिया अब तक इस टूर्नामेंट में दिल्ली की टीम ने 9 मुकाबले खेले हैं, जिसमें से टीम को 7 मैचों में जीत मिली है. जबकि चेन्नई ने 8 मैचों में से छह मुकाबलों में जीत हासिल की है और वह दूसरे पायदान पर है.

दिल्ली से मिली हार के बाद अब सनराइजर्स हैदराबाद के लिए प्लेऑफ में जगह बनाने के रास्ते खत्म होते नजर आ रहे हैं. हैदराबाद की टीम अब तक 8 में से केवल एक ही मुकाबला जीत पाई है और अंकतालिका में सबसे निचले पायदान पर चल रही है. तीसरे पायदान पर विराट कोहली की कप्तानी वाली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर है, जिसने आठ में से पांच मैच जीते हैं.

वहीं चौथे नंबर पर चार जीत के साथ मुंबई इंडियंस बनी हुई है. जबकि पांचवें स्थान पर राजस्थान रॉयल्स है. कोलकाता नाइट राइडर्स छठे पायदान पर पहुंच गई है, जिसने 8 में से 3 मैच जीते हैं. लेकिन पंजाब किंग्स की हालत भी कुछ खास नहीं है. पंजाबी किंग्स ने 8 में स केवल तीन ही मैच जीते हैं और उसका नेट रन रेट भी माइनस में है. पंजाब को प्लेऑफ में जगह बनानी है तो उसे हर मुकाबले में जीत हासिल करनी होगी.

टीम	मैच	जीते	हारे	ड्रॉ	रनरेट	अंक
दिल्ली कैपिटल्स	9	7	2	0	+0.613	14
चेन्नई सुपरकिंग्स	8	6	2	0	+1.223	12
रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	8	5	3	0	-0.706	10
मुंबई इंडियंस	8	4	4	0	-0.071	8
राजस्थान रॉयल्स	8	4	4	0	-0.154	8
कोलकाता नाइटराइडर्स	8	3	5	0	+0.110	6
पंजाब किंग्स	9	3	6	0	-0.345	6
सनराइजर्स हैदराबाद	8	1	7	0	-0.689	2

Point Table - 2021

डूरंड कपः आर्मी रेड और एफसी बेंगलुरु यूनिइटेड का क्वार्टरफाइल मैच कोविड के चलते रद्द

कोलकाता (एजेंसी)।

आर्मी रेड और एफसी बेंगलुरु यूनिइटेड (एफसीबयू) के बीच शुक्रवार को कल्याणी स्टेडियम में खेला जाने वाला डूरंड कप का क्वार्टरफाइल मैच आर्मी रेड के एक खिलाड़ी के कोविड-19 पॉजिटिव होने के चलते रद्द कर दिया गया है।

गुरुवार को सभी खिलाड़ियों ने साथ में अभ्यास किया था जिसमें कोरोना के चपेट में आया हुआ खिलाड़ी भी शामिल था। आर्मी रेड की टीम ने टूर्नामेंट से बाहर होने का फैसला किया जिसके परिणाम स्वरुप बाई के तौर पर एफसीबयू को सेमीफाइनल में जगह मिल गई। यह समझा जा रहा है कि सुबह में निर्धारित टेस्ट के दौरान आर्मी रेड का खिलाड़ी पॉजिटिव पाया गया। आयोजन समीति ने बाकी के मैचों को कराने का फैसला किया है क्योंकि वह अलग स्थल पर होगा। इस बीच, एलओसी ने कोलकाता में भारी बारिश के कारण एफसी गोवा और दिल्ली एफसी के बीच क्वार्टर फाइनल मैच को मोहन बागान मैदान से कल्याणी स्टेडियम में स्थानांतरित करने का भी फैसला किया है।

हम मंधाना की रन बनाने की क्षमता का समर्थन करते हैं : दास

मकाय। भारतीय महिला टीम के बल्लेबाजी कोच शिव सुंदर दास ने ओपनर स्मृति मंधाना का समर्थन करते हुए कहा है कि वह जल्द ही रन बनाएंगी। स्मृति ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे मैच में 16 रन बनाए थे। मुकाबले में टीम को नौ विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। दास ने वर्चुअल प्रेस वार्ता में कहा, मैंने मंधाना के साथ चर्चा की है और अगले दो सत्र में हमने नेट्स पर काफी मेहनत की है। हमने कुछ दिक्कतों को देखा है। वह विश्व स्तरीय खिलाड़ी है और हम उनकी रन बनाने की क्षमता का समर्थन करते हैं। हम कल के मुकाबले में बदलाव देखेंगे। दास को भरोसा है कि मंधाना और शैफाली वर्मा दूसरे वनडे में बल्ले से टीम को अच्छी शुरूआत दिलाएंगी। उन्होंने कहा, मैंने खिलाड़ियों से बात की है और नेट्स पर हमने कुछ चीजें करने की कोशिश की है। हमारे पास मंधाना और शैफाली हैं जो पारी की शुरूआत करेंगी। हमारी कोशिश अच्छी शुरूआत करने की होगी। बल्लेबाजी कोच के रूप में मुझे भरोसा है कि वे टीम को मजबूत शुरूआत दिलाएंगी।

ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज रेचल हेंस को नेट्स के दौरान लगी कोहनी में चोट

मकाय। भारत के खिलाफ दूसरे वनडे से एक दिन पहले ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज रेचल हेंस को नेट्स के दौरान कोहनी में चोट लगी है। ऑस्ट्रेलिया की लगातार 25वीं वनडे जीत में नाबाद 93 बनाने वाली उपकप्तान हेंस को काफी तेजी से गेंद लगी थी और उन्हें तुरंत स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया। ऑस्ट्रेलिया के लगातार जीत के रिकॉर्ड सिलसिले में हेंस निरंतर टीम का हिस्सा रहीं हैं और 2017 विश्व कप के बाद से उन्होंने एक भी मुकाबला मिस नहीं किया है। अगर हेंस शुक्रवार के मैच के लिए उपलब्ध नहीं रहती तो ऑस्ट्रेलिया के पास एलिसा हेली के साथ बेथ मूनी से ओपनिंग करवाने का विकल्प है। अन्यथा जॉर्जिया रेडमेन को भी डेब्यू मिल सकता है। इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को कई चोटग्रस्त खिलाड़ियों को संभालना पड़ रहा है। पहले मुकाबले से पहले जेस जोनासन और टायला व्लेमिंक दोनों चोटिल होकर बाहर तो थीं ही, साथ में ऑलराउंडर निकोला कैरी भी दर्द के चलते पहले वनडे में नहीं खेल पाईं थीं। हालांकि, मुख्य कोच मैथ्यू मॉट और कप्तान मेग लेनिंग के अनुसार इससे अगले वर्ष होने वाले विश्व कप से पहले टीम की गहराई नापने का सुनहरा मौका मिला है। मंगलवार के पहले मुकाबले में डार्सी ब्राउन और डेब्यू कर रहीं हैन्ना डालिंगटन ने मिलकर छह विकेट लिए और जीत की नींव रखी। आगे के मैचों में स्टेला कैंपबेल और मेटलन ब्राउन जैसे तेज गेंदबाजों का पदार्पण भी देखने को मिल सकता है।

आईसीसी ने टी20 विश्व कप के लिए लॉन्च किया एंथम

दुबई (एजेंसी)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने गुरुवार को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए अधिकारिक एंथम लॉन्च किया जिस कैंपेन फिल्म में भारतीय कप्तान विराट कोहली और वेस्टइंडीज के कप्तान कीरोन पोलार्ड को एक नए अवतार में देखा गया।

आईसीसी टी20 विश्व कप 17 अक्टूबर से 14 नवंबर तक यूएई और ओमान में खेला जाएगा। एंथम को भारत के जाने माने संगीत निर्देशक अमित त्रिवेदी ने कंपोज़ किया है।

कोहली और पोलार्ड के अलावा अफगानिस्तान के स्पिन गेंदबाज राशिद खान और ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर खिलाड़ी ग्लेन मैक्सवेल भी एंथम में एक अलग अवतार के रुप में नजर आएगें। आईसीसी के हवाले से पोलार्ड ने कहा, टी20 क्रिकेट ने यह साबित किया है कि वह लगातार अपने फैंस को आकर्षित करने के लिए कुछ नया करता रहता है। पूरी दुनिया भर में जितने भी लोग इस टूर्नामेंट को देखेंगे, मैं दुबई में उनका मनोरंजन करने के लिए काफी उत्साहित हूं। मैक्सवेल ने कहा, आईसीसी टी20 विश्व कप काफी कठिन और मजेदार होने वाला है। कई टीमें हैं जो इस ट्रॉफी की हकदार हैं। हर मैच फाइनल की तरह होगा। हम जल्द से जल्द इसकी शुरुआत करना चाहते हैं।

नटराजन के कोरोना पॉजिटिव आने पर बोले बीसीसीआई अधिकारी, चिंतित लेकिन घबराने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईपीएल के दूसरे चरण में भी कोरोना ने दस्तक दे दी है और सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज टी. नटराजन दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बुधवार को हुए मैच से पहले कोरोना संक्रमित पाए गए थे।

क्रिकेटर यहां कड़े बायो बबल में हैं और सभी तरह के एहतियात बरत रहे हैं। आईपीएल में कोरोना का मामला सामने आने से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) चिंतित है। बीसीसीआई के सीनियर अधिकारी ने आईएएनएस से कहा, नहीं पता यह कैसे हुआ। खिलाड़ी यहां कड़े बायो बबल में हैं और हमने उन्हें अब ज्यादा एहतियात बरतने के लिए कहा है। हम उम्मीद करते हैं कि और कोई मामले सामने नहीं आएं जिससे टूर्नामेंट प्रभावित हो। हम चिंतित हैं लेकिन फिलहाल घबराने की कोई बात नहीं है। अच्छे की उम्मीद करते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या स्टेडियम के अंदर दर्शकों को शामिल होने की मंजूरी देना सही फैसला था। अधिकारी ने कहा, सनराइजर्स हैदराबाद ने बुधवार को अपना पहला मैच खेला और नटराजन इससे पहले पॉजिटिव पाए गए। पूरी टीम कड़े बबल में थी। नटराजन के साथ ही उनके करीब में आए छह करीबी लोगों को आईसोलेट किया गया। हालांकि, अन्य खिलाड़ियों के टेस्ट नेगेटिव आनें पर बीसीसीआई ने मैच का कराने

का फैसला किया। इससे पहले, मई में बीसीसीआई ने आईपीएल फ्रेंचाइजों में कोरोना के मामले सामने आने के बाद आईपीएल 2021 को स्थगित कर दिया था। चर्चा करने के बाद बोर्ड ने शेष मुकाबलों को यूएई में कराने का फैसला किया था।

मुझे लगता है कि खिलाड़ियों और संगठनों के लिए पाकिस्तान को ना कहना आसान है : ख्वाजा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ब्रिस्बेन, 23 सितम्बर (आईएएनएस)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर उस्मान ख्वाजा का मानना है कि खिलाड़ियों और टीमों के लिए पाकिस्तान दौरे को ना कहना बहुत आसान है। उनका यह भी मानना है कि अगर भारत के साथ ऐसा होता तो परिदृश्य अलग होते।

पिछले शुक्रवार को न्यूजीलैंड ने पहला वनडे शुरू होने के कुछ देर पहले ही सुरक्षा कारणों का हवाला देकर दौरा रद्द कर दिया था। इसके बाद सोमवार को इंग्लैंड ने अक्टूबर-नवंबर में पुरुष और महिला टीमों के पाकिस्तान दौरे को भी रद्द कर दिया।

ख्वाजा ने कहा, मुझे लगता है कि खिलाड़ियों और संगठनों के लिए पाकिस्तान को ना कहना बहुत आसान है, क्योंकि यह पाकिस्तान है। मुझे लगता है कि अगर बांग्लादेश होता तो भी यही बात लागू होती। लेकिन कोई भी भारत को ना नहीं कहेगा, अगर वे इसी स्थिति में हों। उन्होंने कहा, पैसा बोलता है, हम सभी जानते हैं और यह शायद इसका एक बड़ा हिस्सा है। वे अपने

टूर्नामेंट के माध्यम से बार-बार साबित करते रहते हैं कि क्रिकेट खेलने के लिए यह एक सुरक्षित जगह है। मुझे लगता है कि कोई कारण नहीं है कि हमें वापस नहीं जाना चाहिए।

ख्वाजा ने कहा, बहुत सुरक्षा है। भारी सुरक्षा। मैंने लोगों के सुरक्षित महसूस करने के बारे में रिपोर्ट के अलावा कुछ नहीं सुना है। ख्वाजा का जन्म पाकिस्तान की राजधानी इस्लमाबाद में हुआ था और वह पांच साल की उम्र में सिडनी चले गए थे। उन्होंने अगस्त 2019 में इंग्लैंड में एशेज सीरीज के बाद टेस्ट मैच नहीं खेला है।

सेरी ए : जुवेंतस ने हासिल की अपनी पहली जीत

रोम। जुवेंतस ने सेरी ए के मुकाबले में स्पेजिया को 3-2 से हराकर टूर्नामेंट के इस सीजन में अपनी पहली जीत दर्ज की।

जुवेंतस की ओर से मोएसे कियान ने 28वें मिनट में गोल कर टीम को शुरूआती बढ़त दिलाई। हालांकि स्पेजिया की ओर से इमेनुअल ग्यासी ने 33वें मिनट में गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। पहले हॉफ के खत्म होने तक दोनों टीमों के बीच मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा। इसके बाद दूसरे हॉफ की शुरूआत में स्पेजिया की ओर से जेनिस एनतिस्ते ने 49वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-1 किया। जुवेंतस ने भी वापसी करने में ज्यादा वक्त नहीं लगाया और फेडेरिको चिएसा ने 66वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर किया। इसके बाद जुवेंतस की ओर से मैथिस डी लाइट ने 72वें मिनट में गोल कर स्कोर 3-2 किया। फिर जुवेंतस ने जहां इस बढ़त को कायम रखने की कोशिश की तो वहीं स्पेजिया ने बराबरी हासिल करनी चाही। निर्धारित समय तक स्पेजिया बराबरी या बढ़त हासिल नहीं कर सका और उसे 36 बार की चैंपियन टीम के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

हमें अपने क्रिकेट में सुधार करना होगा : विलियमसन

दुबई। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) की इंडियन प्रीमियर लीग 2021 (आईपीएल) के दूसरे चरण की शुरुआत बेहद खराब रही उन्हें बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) से आठ विकट से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद एसआरएच के कप्तान केन विलियमसन ने नाराजगी जाहिर की और कहा कि हमें अपने खेल में सुधार करने की जरुरत है। हमारी शुरुआत बेहद खराब रही और अपने आने वाले मैचों पर ध्यान देना चाहिए। एसअरएच की टीम सात मैचों में एक जीत के साथ अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर थी। डीसी के खिलाफ एसआरएच ने पहले बल्लेबाजी की पर उनकी शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर पहले ओवर के तीसरे गेंद पर ही आउट हो गए। टीम उसके बाद से उबर नहीं पाई पर फिर भी उन्होंने 20 ओवर में 9 विकेट 134 रन बनाए। कप्तान विलियमसन का मानना है कि उनकी टीम 25-30 रन और बना सकती थी। मैच के बाद विलियमसन ने कहा, हमने जो सोचा था वैसी शुरुआत हमें नहीं मिली हमारे स्कोर में 25-30 की कमी थी। यह शर्मनाक है पर हमें अपने मनोबल को उचां रखना है। यह टूर्नामेंट हमारे लिए काफी कठिन रहा है। एसआरएच ने अभी तक इस टूर्नामेंट के आठ मैचों में सिर्फ एक जीत हासिल की है। कप्तान विलियमसन का मानना है कि वह अपने अच्छे दिन पर किसी को भी मात दे सकते हैं। विलियमसन ने कहा, हम अपने अच्छे दिन किसी भी टीम को हरा सकते हैं। दिल्ली की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया, उन्होंने हमें दबाव में डाला और इसकी आप अपेक्षा भी रखते हैं। अब हमें यहां से अपने खेल पर ध्यान देना होगा और अपने क्रिकेट में सुधार करना होगा।

पैरालंपिक कांस्य पदक विजेता शरद को हार्ट इनफ्लेमेशन, कुछ और परीक्षण के नतीजों का इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नयी दिल्ली।तोक्यो पैरालंपिक कांस्य पदक विजेता ऊंची कूद के एथलीट शरद कुमार 'हार्ट इनफ्लेमेशन' (सीने में जलन) से पीड़ित हैं और उन्होंने कुछ और परीक्षण कराये हैं जिनकी रिपोर्ट आनी बाकी है। कुमार ने 31 अगस्त को तोक्यो पैरालंपिक में टी-42 ऊंची कूद स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। उन्हें पिछले हफ्ते सीने में जकड़न की शिकायत के बाद अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया। कुमार ने गुरूवार को कहा, ''शुरूआती रिपोर्ट में पता चला है कि मेरे दिल की मांसपेशियों में सूजन है।'' पटना में जन्में 29 साल के कुमार छतरपुर में रहते हैं।

कुमार को इस हफ्ते के शुरू में अस्पताल से छुट्टी मिल गयी लेकिन उन्हें कुछ और जांच के लिये वापस आना पड़ा। उन्होंने कहा, ''मैं यहां कुछ और जांच के लिये वापस आया हूं। मैं सिर्फ 10 मिनट की दूरी पर रहता हूं, मैंने अस्पताल के अधिकारियों से कहा कि मुझे घर जाने दें।'' कुमार को बचपन में पोलियो की गलत दवाई देने के कारण बायें पैर में लकवा मार गया था। उन्होंने पिछले महीने तोक्यो में टी-42 फाइनल में हिस्सा लिया था जबकि अपनी स्पर्धा से पहले ट्रेनिंग के दौरान उनके घुटने में चोट लग गयी थी। बाद में उन्होंने खुलासा किया था कि चोट के कारण वह प्रतियोगिता से हटने का विचार कर रहे थे। लेकिन उन्होंने 1.83 मीटर की कूद लगाकर कांस्य पदक जीता था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेहत और सौन्दर्य का रक्षक भुट्टा

भुट्टा जिसे कॉर्न या मकई सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है. कई खतरनाक रोगों से रक्षा तो करता ही है सौन्दर्य को भी बरकरार रखता है. भुट्टा जिसे कॉर्न और मकई भी कहा जाता है, का प्रयोग तरह-तरह के व्यंजन बनाने में किया जाता है. यह ऐसा अनाज है जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है. मकई का आटा कोलोन कैंसर के खतरे को कम करता है.

दुरुस्त करता पाचन

कॉर्न में फाइबर यानी भरपूर रेशे होते हैं. ये रेशे भोजन को पचाने के लिए जरूरी हैं. यह कब्ज और पेट में होने वाले कैंसर की आशंका को कम करता है.

प्रचुर मात्रा में खनिज

कॉर्न के दानों में भरपूर मिनरल्स पाये जाते हैं. इसमें आयरन, मैग्नीशियम और कॉपर के अलावा फॉस्फोरस भी पाया जाता है. ये तत्व हड्डियों के लिए जरूरी है. इन तत्वों से हड्डियां मजबूत होती हैं. इसका सेवन किडनी को भी मजबूत करता है.

त्वचा को बनाता है चमकदार

कॉर्न लंबे समय तक त्वचा को कांतिमय रखने में मददगार होता है. एंटीऑक्सीडेंट्स की प्रचुरता के अलावा इसके तेल में लिनोलिक एसिड होता है.

एनीमिया से करता है बचाव

मक्के में आयरन होता है. आयरन की कमी से एनीमिया हो जाता है और इसके कारण लाल रक्त कणों की संख्या घट जाती है. मक्के में विटामिन-बी और फोलिक एसिड मौजूद होते हैं जो एनीमिया होने से बचाव करते हैं.

कंट्रोल करता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल ऐसा पदार्थ है, जो बढ़ने पर नुकसाद पहुंचाता है. कोलेस्ट्रॉल दो प्रकार के होते हैं गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) और बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल).

कोलेस्ट्रॉल में फैटी फूड आते हैं जो हमारे दिल को कमजोर बनाते हैं. स्वीट कॉर्न में विटामिन-सी होते हैं जो हमारे दिल को स्वस्थ रखते और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करते हैं. कॉर्न में प्रचुर मात्रा में फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो कैंसर होने के कारणों को रोकते हैं. कॉर्न में विटामिन-बी भी होता है जो तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने में मददगार हैं. कॉर्न उन डायबिटीज पीड़ितों के लिए जरूरी है, जो इंसुलिन नहीं लेते. कॉर्न उनके डायबिटीज को कंट्रोल करते हैं. मकई में मौजूद कैरोटेनोइड आंखों की ज्योति बढ़ाने के साथ ही विटामिन ए भी उपलब्ध कराता है. मकई के दानों यानी भुट्टों को पकाकर भी खाया जाता है. इससे जहां दांतों की बेहतर एक्सरसाइज होती है, वहीं यह पेट को ठीक करता है.

सौंदर्य का साथी

कई तरह के कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट्स बनाने में कॉर्न स्टार्च का प्रयोग किया जाता है. साथ ही, इसका प्रयोग त्वचा की जलन और रैशेस को कम करने के लिए भी किया जाता है. कैंसरकारी पेट्रोलियम उत्पाद जो कि कई तरह के कॉस्मेटिक्स को बनाने के लिए प्रयोग किया जाता रहा है अब इनके स्थान पर कॉर्न के उत्पाद का प्रयोग किया जाने लगा है.

सावधान कैल्शियम की कमी खतरनाक

हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. इसकी कमी ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बन जाता है. सभी जानते हैं कि मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. कैल्शियम कोलोन (मलाशय) से विषैली चीजों को बाहर निकालने में मदद करने के साथ ही यह हमारी तंत्रिका तंत्र के लिए भी जरूरी है. अगर किसी कारण में शरीर में कैल्शियम की कमी हो जाती है तो यह ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बनता है. एक नये अध्ययन के अनुसार, इस आवश्यक मिनरल की कम मात्रा लेने से आपको हाइपर पैराथायराइडिज्म (पीएचपीटी) जो एक तरह की हार्मोनल कंडीशन है, हो सकती है. अगर समय रहते इसका इलाज न किया गया तो आपकी हड्डियों का कैल्शियम सूख सकता है. हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के इस अध्ययन में पाया गया कि जो महिलाएं फल और सप्लीमेंट्स के जरिये ज्यादा कैल्शियम ग्रहण करती हैं उनमें पीएचपीटी, जो पैराथायराइड हार्मोन के अनियंत्रित रिसाव का कारण होता है, होने का खतरा कम हो जाता है. आप अपने भोजन और दूसरी सामग्री में कैल्शियम की मात्रा को थोड़ी सावधानी से बढ़ा सकते हैं

सॉफ्ट ड्रिंक कम - अत्यधिक मात्रा में फास्फोरस के कारण सॉफ्ट ड्रिंक्स शरीर के कैल्शियम ग्रहण करने की क्षमता में बाधा डालता है. साथ ही, पिज्जा, चिप्स या दूसरे सॉल्टी फूड्स के साथ सॉफ्ट ड्रिंक के सेवन से भी कैल्शियम अवशोषण में बाधा पहुंचती है क्योंकि इससे बढ़ा हुआ कैल्शियम यूरिन के जरिये नष्ट हो जाता है. साग-सब्जी का सेवन ब्रोकली, सलाद पत्ता, पत्ता गोभी और दूसरी पत्ते दार सब्जियां कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं लेकिन समस्या यह है कि हरी सब्जियों में पाया जाने वाला कैल्शियम डायट्री उत्पाद की तुलना में शरीर में आसानी से अवशोषित नहीं हो पाता क्योंकि इनमें केमिकल लगा होता है. हालांकि यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है कि आप अपनी डाइट में ज्यादा कैल्शियम नॉन डेयरी प्रोडक्ट्स से पाते हैं. इसके लिए आप कैल्शियम से भरपूर कॉम्बीनेशन जैसे पालक या सलाद पत्ता को तिल या बीन्स (जो कैल्शियम का बेहतर स्रोत है) और चीज के साथ ले सकते हैं. विटामिन-डी भी जरूरी हड्डियों की सेहत के लिए विटामिन-डी बेहद जरूरी है और इसका कैल्शियम के साथ सह-क्रियाशीलता का संबंध है.

धूप- विशेषज्ञों के अनुसार, सर्दियों के दौरान विटामिन-डी की कमी के कारण हम 2 से 4 प्रतिशत बोन डेन्सिटी खो देते हैं. इस बात का विरोध करते हुए कई एक्सपर्ट्स अब इस बात की सलाह देते हैं कि दिनभर में 15 मिनट धूप में बिताने से हमारे शरीर को विटामिन-डी को प्राकृतिक रूप से बनाने में मदद मिलती है.

कॉफी कम - कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से कैल्शियम उत्सर्जन की दर बढ़ने के कारण हड्डियां कमजोर हो सकती हैं. इसलिए इस खतरे से बचने के लिए दिनभर में केवल दो कप कॉफी पियें. उच्च प्रोटीन से सावधान- जिनकी डाइट में एनीमल प्रोटीन ज्यादा होता है, वास्तव में उनकी हड्डियों से कैल्शियम का क्षरण होने लगता है. ऐसा इसलिए है, क्योंकि प्रोटीन ऐसे तत्वों को तोड़ता है जो एसिडिक होते हैं और हमारे शरीर में मौजूद कैल्शियम उन्हें जमा करता जाता है. अगर आप अत्यधिक रेड मीट और अंडे का सेवन करते हैं तो आपको ज्यादा मात्रा में कैल्शियम लेने की जरूरत है.

मधुमेह से बचना है तो जी भर कर सोएं

अगर आप भरपूर नींद लेते हैं तो आप में टाइप-2 मधुमेह होने का जोखिम काफी कम हो जाता है. यह एक नये अध्ययन में दावा किया गया है. लास ऐंजिलिस बायोमेडिकल रिसर्च इस्टीट्यूट के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सप्ताहांत में तीन रात की अच्छी नींद काफी हद तक इंसुलिन की सक्रियता बढा देती जिसके न बनने और शरीर पर उसकी प्रतिक्रिया नहीं होने से यह बीमारी होती. प्रमुख अनुसंधानकर्ता डा. पीटर लिउ ने बताया कि हम सभी जानते हैं कि पर्याप्त नींद जरूरी है लेकिन अधिक काम की वजह से समय नहीं निकाल पाते. हमारे अध्ययन में पाया गया कि नींद के घंटे बढा देने से शरीर के इंसुलिन का इस्तेमाल करने की क्षमता बढती है और प्रौढ व्यक्तियों में टाइप-2 मधुमेह का जोखिम कम हो जाता है. इंसुलिन किसी व्यक्ति के रक्त में शर्करा के स्तर को नियमित करने के लिये जिम्मेदार है. टाइप-2 मधुमेह के मरीज का शरीर उससे निकलने वाले इंसुलिन का कारगर ढंग से इस्तेमाल नहीं करता और इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया नहीं करता. लिउ ने कहा कि अच्छी खबर है कि प्रौढ व्यक्ति जो अधिक काम की वजह से पर्याप्त नहीं सो पाते हैं वे अगर सोने के घंटे बढा दें तो यह जोखिम कम हो सकता है.

थायराइड से सबसे ज्यादा पीड़ित महिलाएं

थायराइड की बीमारी तेजी से बढ़ रही है. आंकड़ों की बात करें तो सवा चार करोड़ लोग देश में थायराइड की बीमारी से पीड़ित हैं. इनमें 80 प्रतिशत महिलाएं हैं. आश्चर्य की बात है कि 8-10 प्रतिशत मरीजों की पहचान हो सकी है. थायराइड बीमारी तीन प्रकार की होती है. थायराइड ग्रंथि से हार्मोन बनना बंद या कम हो जाय तो इसे हाइपोथायराइडिज्म कहते हैं जबकि थायराइड हार्मोन की मात्रा अधिक बनने लगती है तो उसे हाइपरथायराइडिज्म कहते हैं. जबकि तीसरी बीमारी घेंघा है. हाइपोथायराइडिज्म के मरीजों की संख्या सबसे अधिक होती है.

क्या है थायराइड?

थायराइड एक इंडोक्राइन ग्रंथि होती है जो गर्दन के निचले हिस्से में एडमस एप्पल के ठीक नीचे होती है. इसका काम थायरोक्सिन हार्मोन बनाकर खून तक पहुंचाना है जिससे शरीर का मेटाबोलिज्म नियंत्रित रहे. शरीर में थायराइड हार्मोन की मात्रा कम हो जाय तो सुस्ती औरअधिक होने पर शारीरिक क्रियाएं तेज हो जाती हैं. थायराइड ग्रंथि का पिटयूटरी ग्रंथि से नियंत्रण होता है जबकि पिटयूटरी ग्रंथि हाइपोथेलमस से नियंत्रित होती है. हाइपोथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर बढ़ जाता है और टी3 व टी4 की मात्रा कम हो जाती है. हाइपरथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर घट और टी3 व टी4 की मात्रा बढ़ जाती है.

हाइपोथायराइडिज्म

लक्षण - हमेशा थकान महसूस होना. बिना कारण वजन बढ़ना.

डिप्रेशन या अवसाद होना. हमेशा ठंड लगना. पेट में कब्ज बना रहना. अजीब तरह का दर्द महसूस होना. मासिक स्राव का अधिक होना. एकाग्रता की कमी होना. त्वचा और बाल रुखे हो जाना.

कारण - आयोडिन की कमी (एंडेमिक गोवाएटर) हशीमो टो थायरोडायटिस. सर्जरी या रेडियो आयोडिन थैरेपी के बाद. कुछ प्रकार की दवाइयों का सेवन.

हाइपरथायराइडिज्म

लक्षण - घबराहट या चिड़चिड़ा महसूस करना. अनियमित हृदय का धड़कना. गर्मी सहन न होना. हाथ में कंपन होना. अधिक पसीना आना. बिना कारण वजन कम होना. नींद न आना. थायराइड ग्रंथि का बढ़ना (घेंघा). मासिक स्राव का कम होना. प्रजनन शक्ति क्षीण होना.

कारण - ग्रेव डिजीज. टॉक्सिक मल्टी नोडल गोवाएटर. टॉक्सिक एडिनोमा. अधिक मात्रा में हार्मोन की गोली का सेवन.

इलाज - थायराइड की बीमारियों का इलाज बीमारी के प्रकार पर निर्भर करता है. हाइपोथायराइडिज्म में मरीज का इलाज सप्लीमेंट्री थैरेपी से किया जाता है. इसमें थायराइड के हार्मोन (थायरोक्सिन हार्मोन) बाहर से दिया जाता है. हाइपरथायराइडिज्म का इलाज तीन विधि से किया जाता है. पहली विधि में एंटी थायराइड ड्रग्स दी जाती है. दूसरी विधि में रेडियो एक्टिव आयोडिन से ग्रंथि को नियंत्रित किया जाता है जिसे रेडियो आयोडिन थैरेपी कहते हैं. तीसरी विधि में सर्जरी करके इलाज किया जाता है. वहीं घेंघा का एक मात्र इलाज ऑपरेशन होता है. बचाव थायराइड की बीमारी से बचाव के लिए अभी तक डॉक्टर आयोडिन युक्त नमक के सेवन की सलाह देते हैं जिससे शरीर में आयोडिन की मात्रा संतुलित रहे, थायराइड की बीमारियां न हो.

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने से होता है घेंघा

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने को ही घेंघा कहते हैं. इसमें थायराइड ग्रंथि बढ़कर गले के सामने की ओर गांठ के रूप में दिखाई देने लगती है. इसमें दर्द नहीं होता है. घेंघा के बढ़ने से सांस की नली, खाने की नली और आवाज की नस पर दबाव पड़ता है. घेंघा छाती के अंदर भी जा सकता है. घेंघा के बारे में लोगों की सोच होती है कि इससे शरीर पर कोई नुकसान नहीं होता है लेकिन कई बार देखा गया है घेंघा कैंसर में बदल जाता है. मरीज की जान पर बन आती है. थायराइड ग्रंथि में कई प्रकार के कैंसर होते हैं. इनमें पेपीलेरी थायराइड कैंसर, फोलीक्यू लर थायराइड कैंसर, मे डयूले री थायराइड कैंसर और अनॉप्लास्टिक थायराइड कैंसर शामिल है.

घेंघा में थायराइड कैंसर के लक्षण

अचानक कम उम्र में घेंघा का होना. पुराना घेंघा का अचानक से बढ़ना. घेंघा के साथ खाना निगलने में परेशानी होना. घेंघा होने पर सूखी खांसी के साथ खून आना. घेंघा के साथ गले के बगल में गांठ का बनना. घेंघा के साथ आवाज में परिवर्तन या भारी पड़ना.

सार समाचार

फांस ने ईयू को यूएनएससी की सीट देने की खबरों को किया खारिज, कहा- सीट हमारी है और हमारी ही रहेगी

फांस ने यूरोपीय संघ (ईयू) को यूएनएससी यानि की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपनी सीट को छोड़ने के बारे में अफवाहों का खंडन किया है। फांस ने उन सभी रिपोर्टों का खारिज कर दिया है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों यूरोपीय सेना के लिए यूरोपीय संघ के कुछ देशों से समर्थन के बदले में यूएनएससी में अपनी सीट यूरोपीय संघ को देने के लिए तैयार होंगे। हालांकि, फांस ने ऐसी किसी भी योजना से साफ इनकार किया है। फांसीसी सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि, हम औपचारिक रूप से इससे इनकार करते हैं। सीट हमारी है और हमारी ही रहेगी।' बता दें कि यह खबर ऐसे समय आई है जब फांस ऑस्ट्रेलिया द्वारा अमेरिका और ब्रिटेन के साथ एक नए रक्षा समझौते के लिए 66 अरब डॉलर के पनडुब्बी सौदे को टालने से नाराज था। इस घोषणा ने फांस को चौंका दिया था जिसके बाद से मैक्रों यूरोपीय देशों को एक करीबी सैन्य एकीकरण के लिए एक साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं।

अल्जीरिया ने मोरक्को के विमानों के लिए बंद किये एयरस्पेस

अल्जीयर्स। बढ़ते राजनयिक मतभेदों के बीच अल्जीरिया ने अपने हवाई क्षेत्र को मोरक्को के सभी नागरिक और सैन्य विमानों के लिए बंद कर दिया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने एक आधिकारिक बयान का हवाला देते हुए कहा कि अल्जीरियाई राष्ट्रपति अब्देलमदजिद तेब्बौने ने बुधवार को उच्च सुरक्षा परिषद की बैठक की अध्यक्षता के बाद यह निर्णय लिया। बयान के अनुसार, परिषद ने अल्जीरियाई हवाई क्षेत्र को सभी मोरक्कन नागरिक और सैन्य विमानों के साथ-साथ मोरक्कन पंजीकरण संख्या वाले लोगों के लिए तत्काल बंद करने का निर्णय लिया है। अल्जीरिया ने अगस्त में मोरक्को के साथ राजनयिक संबंधों को तोड़ दिया था। मोरक्को ने बाद में दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध तोड़ने के अल्जीरिया के पूरी तरह से अनुचित निर्णय पर खेद व्यक्त किया था।

संयुक्त राष्ट्र सत्र में प्रतिनिधित्व नहीं कर पाएगा तालिबान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के नए तालिबान शासकों के संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के मौजूदा सत्र में बोलने या अपने देश का प्रतिनिधित्व करने की संभावना नहीं है। पूर्व अफगान सरकार के प्रतिनिधि अभी भी संयुक्त राष्ट्र में अफगान मिशन पर अपना नियंत्रण बनाए हुए हैं। मंगलवार को, वे उस सत्र में शामिल हुए, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने संबोधित किया था। एक राजनयिक सूत्र ने कहा, वे तब तक मिशन पर कब्जा करना जारी रखेंगे, जब तक कि क्रेडेंशियल कमेटी कोई निर्णय नहीं ले लेती। 15 सितंबर को, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को वर्तमान में मान्यता प्राप्त अफगान राजदूत, गुलाम इसकजई से एक पत्र मिला, जिसमें कहा गया था कि वह और उनकी टीम के अन्य सदस्य यूएनजीए सत्र में अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व करेंगे। 20 सितंबर को, तालिबान-नियंत्रित अफगान विदेश मंत्रालय ने भी गुटेरेस को एक संचार भेजा, जिसमें वर्तमान यूएनजीए में भाग लेने का अनुरोध किया गया था। तालिबान नेता, अमीर खान मुत्ताकी ने नए अफगान विदेश मंत्री के तौर पर पत्र पर हस्ताक्षर किए। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने न्यूयॉर्क में पत्रकारों से बात करते हुए दोनों पत्र प्राप्त करने की पुष्टि की है।

सुरक्षा परिषद ने सूडान में तख्तापलट के प्रयास की निंदा की

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा सूडान में तख्तापलट के प्रयास की कड़े शब्दों में निंदा की है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एक बयान में, सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने सूडान के प्रधानमंत्री अब्दुल्ला हमदोक के प्रति अपना पूर्ण समर्थन दोहराया है। परिषद के सदस्यों ने सभी हितधारकों से राष्ट्रीय संकट और संक्रमण के मुद्दे - आगे का रास्ता नामक राष्ट्रीय पहल के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने का आग्रह किया, और आगे सूडान के नागरिक और सैन्य अभिनेताओं को प्रतिबद्ध रहने और सहयोग की भावना में काम करना जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सूडान के लोगों के साथ अपनी एकजुटता भी व्यक्त की और सूडान की संप्रभुता, स्वतंत्रता, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय एकता के लिए अपनी मजबूत प्रतिबद्धता की पुष्टि की। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने मंगलवार को तख्तापलट के प्रयास की निंदा की। गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एक बयान में कहा, सूडान के राजनीतिक संक्रमण को कमजोर करने का कोई भी प्रयास राजनीतिक और आर्थिक मोचरें पर की गई कड़ी मेहनत की प्रगति को खतरे में डाल देगा। महासचिव ने सभी दलों से संक्रमण के लिए प्रतिबद्ध रहने और सूडानी लोगों की आकांक्षाओं को एक समावेशी बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया।

यमन के शबवा प्रांत में लड़ाई अभी जारी

सना। एक सैन्य अधिकारी ने कहा कि देश के तेल समृद्ध प्रांत शबवा पर नियंत्रण को लेकर यमन के सरकारी बलों और हाउती विद्रोहियों के बीच लड़ाई जारी है। अधिकारी ने बुधवार को समाचार एजेंसी को बताया कि सरकार ने शबवा के पश्चिमी हिस्सों में विद्रोहियों के साथ क्रूर लड़ाई छेड़ने वाले बख्तरबंद वाहनों द्वारा समर्थित भारी सुदृढीकरण भेजा। उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटों के दौरान, दोनों पक्षों के कई लोग या तो मारे गए या घायल हो गए, क्योंकि लड़ाई और अधिक बढ़न रही है। सरकारी बलों ने कई सैन्य इकाइयों को तैनात किया और शबवा के कुछ क्षेत्रों में हाउतीयों की प्रगति को रोकने में कामयाब रहे। इस बीच, देश के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि बयान जिले में सेना की आग से दर्जनों हाउती लड़ाके मारे गए, साथ ही उनके कई बख्तरबंद वाहनों को नष्ट कर दिया। सरकार समर्थक मंत्रालय ने पुष्टि की कि बड़े सैन्य सुदृढीकरण और सैकड़ों आदिवासी लड़ाके इस क्षेत्र में सेना की सेना का समर्थन करने और हाउतीयों को शबवा पर हमला करने से रोकने के लिए पहुंचे।

अमेरिकी सांसद बोले- पीएम मोदी का स्वागत करने में गौरवान्वित महसूस कर रहा है अमेरिका

जिनेवा। (एजेंसी)।

अमेरिका के एक प्रभावशाली सांसद ने सदन में कहा कि अमेरिका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करके गौरवान्वित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संबंध लोकतंत्र, स्वतंत्रता और कानून के राज के सिद्धांतों से गहरे जुड़े हुए हैं।प्रधानमंत्री मोदी बुधवार से शुरू होने वाली तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा पर गए हैं जहां वह राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात करेंगे और ऐतिहासिक क्वाड सम्मेलन में भाग लेंगे।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के सदस्य अर्ल ''बड़ी'' कार्टर ने सदन में कहा, ''अध्यक्ष महोदया, मैं अमेरिका और भारत के बीच महत्वपूर्ण कूटनीतिक साझेदारी को मान्यता देने के लिए खड़ा हुआ हूं।''उन्होंने कहा, ''हमारे नेताओं के दौरे, हमारे संबंधों के लिए अहम हैं और प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत कर अमेरिका गौरवान्वित महसूस कर रहा है। भारत और अमेरिका के बीच संबंध लोकतंत्र, स्वतंत्रता और कानून के राज के सिद्धांतों से गहरे जुड़े हुए हैं।'' कार्टर ने कहा कि इतने सालों में दोनों देशों के बीच व्यापार सहयोग बढ़ा है और यह साझेदारी का महत्वपूर्ण अंग है। भारत और अमेरिका के बीच 2019 में वस्तुओं और सेवाओं का व्यापार 149 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था।

पाकिस्तान के जिगरी तुर्की ने कश्मीर का मुद्दा उठाया, विदेश मंत्री जयशंकर ने साइप्रस का जिक्र कर ऐसे चुप कराया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कश्मीर के मसले को लेकर मुस्लिम देशों को साथ लेकर लॉबिंग करने में लगा है। जिसमें ईरान, तुर्की, मलेशिया जैसे देश शामिल हैं और उन्हें चीन का भी समर्थन हासिल है। पाकिस्तान की ये लगातार कोशिश रहती है कि वो किस तरह से कश्मीर के मसले को वैश्विक मंच पर उठाए। इस तरह की हिमाकत पाकिस्तान ने कई बार की भी है। पाकिस्तान के दोस्त तुर्की कुछ इसी तरह की हरकत संयुक्त राष्ट्र के मंच पर दोहराने की कोशिश की लेकिन कश्मीर का मुद्दा उठाना उसके लिए बहुत भारी पड़ गया। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन को भारत के विदेश मंत्री ने करारा जवाब दिया है।

तुर्की के राष्ट्रपति की पाकिस्तानी जुबान

रजब तैयब एर्दोआन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र में वैश्विक नेताओं के नाम अपने संबोधन में एक बार फिर जम्मू- कश्मीर का मुद्दा उठाया। एर्दोआन ने सामान्य चर्चा में अपने संबोधन में कहा, हमारा मानना है कि कश्मीर को लेकर 74 साल से जारी समस्या को दोनों पक्षों को संवाद और संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के जरिये हल करना चाहिए। अतीत में भी एर्दोगान ने संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर का मुद्दा उठाया था जिसपर भारत ने आपत्ति जताई थी। पिछले साल पाकिस्तान की अपनी यात्रा के दौरान भी कश्मीर का मुद्दा उठाने पर उस समय विदेश मंत्रालय ने कहा था कि एर्दोआन की टिप्पणी न तो इतिहास की समझ और न ही कूटनीति के संचालन को दर्शाती है और इसका तुर्की के साथ भारत के संबंधों पर गहरा असर पड़ेगा।

जयशंकर ने दिया मुंहतोड़ जवाब

एस जयशंकर ने साइप्रस के अपने समकक्ष निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान जयशंकर ने साइप्रस के संबध में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रासंगिक प्रस्तावों का पालन करने की आवश्यकताओं पर जोर दिया। जयशंकर ने क्रिस्टोडौलाइड्स के साथ अपनी मुलाकातों के बारे में ट्वीट करते हुए कहा कि हम आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। सभी को साइप्रस के संबंध में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का पालन करना चाहिए।

क्या है तुर्की-साइप्रस विवाद

साइप्रस में लंबे समय से चल रहे संघर्ष की शुरुआत 1974 में यूनान सरकार के समर्थन से हुए सैन्य तख्तापलट से हुई थी। इसके बाद तुर्की ने यूनान के उत्तरी हिस्से पर आक्रमण कर दिया था। तुर्की के 35 हजार सैनिक इस क्षेत्र पर तैनात हैं। इस घटना के बाद से साइप्रस 2 हिस्सों में बंटा हुआ है। इसे केवल तुर्की ने मान्यता दी है। जबकि, ग्रीक नस्ल वाले साइप्रस को यूएन सहित पूरी दुनिया स्वीकार करती है।

यात्रा के लिए टीका प्रमाणन में न्यूनतम मानदंड पूरे होने चाहिए: ब्रिटेन सरकार

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन सरकार ने सभी देशों से कोविड-19 टीका प्रमाणन के 'न्यूनतम मानदंड' पूरे करने को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा है कि वह अपने अंतरराष्ट्रीय यात्रा नियमों को लेकर भारत के साथ 'चरणबद्ध दृष्टिकोण' पर काम कर रही है। यह बयान ऑक्सफोर्ड/एस्ट्राजेनेका के, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित कोविशील्ड टीके को बुधवार को ब्रिटेन के विस्तारित यात्रा परामर्श में स्वीकार किए जाने के बाद आया है। बहरहाल, भारत का टीका प्रमाणन 18 स्वीकृत देशों की सूची में शामिल नहीं होने की वजह से, ब्रिटेन आने वाले भारतीय यात्रियों के टीकाकरण को स्वीकार नहीं कियाजाएगा और इसीलिए उन्हें आगमन के बाद 10 दिनों तक पृथक-वास में रहने की अनिवार्यता को पूरा करना होगा।

ब्रिटेन के नए अद्यतन यात्रा परामर्श से पृथकवास नियमों को लेकर कुछ भ्रम फैला, खासकर, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित कोविशील्ड टीके को लेकर, जिसका भारत अपने यहां टीकाकरण कार्यक्रम में व्यापक इस्तेमाल कर रहा है। ब्रिटेन द्वारा यात्रा परामर्श में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित ऑक्सफोर्ड/एस्ट्राजेनेका के टीके कोविशील्ड को शामिल करने नहीं करने पर काफी आलोचना हुई थी। इस प्रक्रिया पर अत्यधिक भ्रम के बाद, ब्रिटेन सरकार के सूत्रों ने बुधवार रात कहा कि स्वीकृत देशों की सूची में जोड़ या परिवर्तनों पर नियमित रूप से विचार किया जा रहा है, लेकिन देश के टीका प्रमाणीकरण को मंजूरी देने के लिए आवश्यक मानदंडों पर कोई और स्पष्टता नहीं दी गई। ब्रिटेन सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा, 'हमारी हाल ही में विस्तारित अंदरूनी टीकाकरण नीति के हिस्से के रूप में, हम अंतरराष्ट्रीय यात्रा के उद्देश्यों के लिए फाइजर बायोएनटेक, ऑक्सफोर्ड एस्ट्राजेनेका, मॉडर्न और जेनसेन (जे एंड जे) के टीकों को मान्यता देते हैं। इसमें अब एस्ट्राजेनेका कोविशील्ड, एस्ट्राजेनेका वैक्सजेवरिया और मॉडर्ना टाकेडा भी शामिल किए जा रहे हैं।'

प्रवक्ता ने कहा, 'हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता लोगों के स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने, और सुरक्षित एवं टिकाऊ तरीके से यात्रा को फिर से खोलना है, यही वजह है कि सभी देशों से टीका प्रमाणन को सार्वजनिक स्वास्थ्य और व्यापक विचारों को ध्यान में रखते हुए न्यूनतम मानदंडों को पूरा करना चाहिए। हम अपने चरणबद्ध दृष्टिकोण को लागू करने के लिए भारत सहित अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ काम करना जारी रख रहे हैं। जिन यात्रियों को पूरी तरह से टीका नहीं लगाया गया है, या भारत जैसे देश में टीका लगाया गया है, जो वर्तमान में ब्रिटेन सरकार की मान्यता प्राप्त सूची में नहीं है, उन्हें प्रस्थान से पहले जांच करानी होगी, इंग्लैंड में आगमन के बाद दूसरे और आठवें दिन की पीसीआर जांचों के लिए भुगतान करना होगा और स्वयं को एकांतवास में रखना होगा। उन्हें पांच दिन बाद पीसीआर जांच की नेगेटिव रिपोर्ट देने के बाद इससे छूट मिलने का विकल्प होगा।

भारत में दिए जाने वाले दो मुख्य कोविड-19 टीकों में से कोविशील्ड के एक होने के बावजूद भारत के टीकाकरण प्रमाणन को मान्यता नहीं दिए जाने के संदर्भ में, ब्रिटेन सरकार के सूत्र ने केवल यही कहा कि अन्य देशों और क्षेत्रों में उसके अंदरूनी टीकाकरण कार्यक्रम की शुरुआत हमेशा एक चरणबद्ध दृष्टिकोण पर आधारित रही है। गौरतलब है कि, ब्रिटेन की यात्रा के संबंध में फिलहाल लाल, एम्बर और हरे रंग की तीन अलग अलग सूचियां बनाई गई हैं। कोविड-19 खतरे के अनुसार अलग-अलग देशों को अलग अलग सूची में रखा गया है। चार अक्टूबर से सभी सूचियों को मिला दिया जाएगा और केवल लाल सूची बाकी रहेगी। लाल सूची में शामिल देशों के यात्रियों को ब्रिटेन की यात्रा पर पाबंदियों का सामना करना पड़ेगा। भारत अब भी एम्बर सूची में है। इस सूची में शामिल देशों के यात्रियों को ब्रिटेन जाने पर कुछ पाबंदियों से गुजरना पड़ सकता है।

श्रीलंका में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विदेशों में प्रचार गतिविधियों की योजना बनाई

कोलंबो (एजेंसी)।

दक्षिण एशियाई देश में कोविड-19 से सबसे ज्यादा प्रभावित श्रीलंका के पर्यटन क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय यात्रा और पर्यटन व्यापार शो में प्रचार गतिविधियां शुरू करने की योजना बनाई है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, श्रीलंका के व्यापार शो इस साल फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी में आयोजित होने वाले हैं। श्रीलंका पर्यटन विकास प्राधिकरण (एसएलटीडीए) की अध्यक्ष किमरली फर्नांडो ने कहा, जिन तीन व्यापार शो में हम भाग लेने की योजना बना रहे हैं, जो कोविड महामारी की शुरूआत के बाद एक साल के लंबे ब्रेक बाद हैं, जो विश्व स्तर पर पर्यटन स्थलों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है। फर्नांडो ने कहा, हमें उम्मीद है कि श्रीलंका उद्योग को पुनर्जीवित करने में मदद करने के लिए उन सभी में भाग लेने में सक्षम होगा। इस साल पेरिस में होने वाले इंटरनेशनल फ्रेंच ट्रैवल मार्केट (आईएफटीएम) टॉप रेसा के लिए करीब 200 डेस्टिनेशन, 1,700 ब्रांड्स, 34,000 टूरिज्म प्रोफेशनल्स और 150 कॉन्फ्रेंस सेशन तैयार किए गए हैं। फर्नांडो ने कहा कि फ्रांस अगस्त की शुरूआत में श्रीलंका की यात्रा की अनुमति देने वाले पहले देशों में से एक था, उम्मीद है कि फ्रांसीसी यात्री इस सर्दी में अपने पसंदीदा उष्णकटिबंधीय गंतव्य पर लौट आएंगे। श्रीलंका के पर्यटन प्राधिकरण के प्रमुख ने कहा कि वे ब्रिटेन और जर्मनी में इसी तरह के आयोजनों में भाग लेने पर विचार कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य यूरोप से अधिक यात्रियों को आकर्षित करना है, जो वर्तमान में श्रीलंका में आगंतुकों का सबसे बड़ा स्रोत है। जनवरी में अपनी सीमाओं को फिर से खोलने के बाद से, श्रीलंका ने इस साल के पहले आठ महीनों में 24,337 पर्यटकों का आगमन दर्ज किया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, कोविड -19 महामारी की तीसरी लहर के बावजूद, अगस्त में पर्यटकों का आगमन जुलाई से 107 प्रतिशत बढ़कर 5,040 हो गया है।

वायरस ने ली एक दिन में 1900 से अधिक जान, बाइडेन कोविड समिट कर बांट रहे ज्ञान, मौत के मामले में स्पेनिश फ्लू से भी आगे निकला कोरोना

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

कोरोना वायरस की उम्र 1 साल से ज्यादा की हो चुकी है। लॉकडाउन, कर्फ्यू आदि-इत्यादि झेलने के बाद दुनिया अब वैक्सीन नामकर समाधान की ओर बढ़ निकली है। कोरोना की चुनौतियों और इससे निपटने के उपायों को लेकर संयुक्त राष्ट्र कोविड शिखर सम्मेलन भी आयोजित किया गया। जिसमें खुद को सुपरपॉवर मुल्क कहने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन अमीर देशों से वैक्सीन डोनेशन में और मदद करने की अपील करते नजर आए। लेकिन आपको ये जानकर हैरानी होगी कि दुनिया को कोरोना महामारी की चुनौतियों और इससे निपटने के बारे में ज्ञान बांटने वाला अमेरिका ही इस महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित है।

कोरोना से भयावह हालात

अमेरिका में कोरोना वायरस से मार्च के बाद से पहली बार एक दिन में औसतन 1,900 से अधिक मरीजों की मौत हुई और विशेषज्ञों का कहना है कि यह संक्रमण एक अलग समूह यानी टीके की खुराक न लेने वाले 7.1 करोड़ अमेरिकियों को अपना निशाना बना रहा है। देश के राष्ट्रपति जो बाइडन कोविड-19 की इस जानलेवा लहर से निपटने में मदद के लिए लोगों से घर पर संक्रमण की जांच करने का अनुरोध कर रहे हैं। महामारी के कारण अस्पताल क्षमता से अधिक भरे पड़े हैं और देशभर में स्कूलों के बंद होने का खतरा पैदा हो गया है। स्प्रिंगफील्ड-ब्रैनसन इलाके में कॉक्सहेल्थ अस्पतालों में एक हफ्ते में ही 22 लोगों की मौत हो गयी। पश्चिमी वर्जीनिया में सितंबर के पहले तीन हफ्तों में 340 लोगों की मौत हो चुकी है। जॉर्जिया में हर दिन 125 मरीज जान गंवा रहे हैं जो कैलिफोर्निया या किसी अन्य घबी आबादी वाले राज्य से अधिक है।

स्पेनिश फ्लू से भी बड़ी महामारी

अमेरिका में स्पेनिश फ्लू से जितनी मौतें हुई हैं उससे ज्यादा मौतें कोरोना वायरस से हो चुकी हैं। एपी की रिपोर्ट के अनुसार जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के आंकड़ों के तहत अमेरिका में कोरोना वायरस की वजह से 674,000 मौतें हो चुकी हैं। हालांकि, डब्ल्यूएचओ की वेबसाइट पर दिए गए आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में कोरोना की वजह से 669,412 मौते हुई हैं और 41,831,507 केस आ चुके हैं। वहीं, अगर स्पेनिश फ्लू की बात करें तो सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रेवेंशन (सीडीसी) के डेटा के अनुसार, 1918 में फ्लू से अमेरिका में 6,75,000 लोगों की मौत हुई थी। ऐसे में कुछ रिपोर्ट के अनुसार, कोरोना स्पेनिश फ्लू से आगे निकल गया है, लेकिन डब्ल्यूएचओ के डेटा के हिसाब से भी आंकड़ा थोड़ा ही पीछे है।

लीबिया और यूएनएचसीआर ने अवैध प्रवास, सीमा नियंत्रण पर चर्चा की

त्रिपोली (एजेंसी)।

लीबिया के प्रेसीडेंसी काउंसिल के उपाध्यक्ष मूसा अल-कोनी ने यहां संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) के देश में मिशन के प्रमुख जीन-पॉल कैवेलियरी से मुलाकात की और अवैध प्रवास, दूसरों के बीच सीमा नियंत्रण पर चर्चा की।

प्रेसीडेंसी काउंसिल द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, प्रेसीडेंसी काउंसिल के उपाध्यक्ष ने पुष्टि की है कि अवैध प्रवास मुख्य रूप से एक मानवीय मुद्दा है। उन्होंने इसके सफल समाधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों को एकजुट करने के महत्व पर जोर दिया। बयान के अनुसार, अल-कोनी ने समुद्र के बजाय लीबिया की दक्षिणी सीमा में अवैध प्रवासन के बारे में संबोधित करने के महत्व पर भी जोर दिया, जहां अवैध प्रवासी यूरोप की ओर जाते हैं। कैवेलियरी ने कहा कि लीबिया से अन्य देशों में प्रवासियों को निकालने में समस्याएं आ रही हैं, जिससे उड़ानों को व्यवस्थित करने में विफलता हो रही है। उन्होंने अवैध प्रवास को संबोधित करने के लिए प्रेसीडेंसी परिषद के साथ सहयोग करने की आवश्यकता पर भी जोर देने को कहा है। 2011 में मुअम्मर गद्दाफी के पतन के बाद से लीबिया असुरक्षा और अराजकता का सामना कर रहा है, जिससे उत्तरी अफ्रीकी देश अवैध प्रवासियों के लिए भूमध्य सागर को यूरोपीय तटों पर पार करने के लिए एक पसंदीदा स्थान बना रहा है। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, अब तक 24,420 अवैध प्रवासियों को बचाया गया है, जबकि मध्य भूमध्य मार्ग पर लीबिया के तट से सैकड़ों अन्य मारे गए और लापता हो गए।

दो साल से कम उम्र के बच्चों को नहीं मिल रहे जरूरी पोषक तत्व : यूनिसेफ

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनिसेफ की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को विकास के लिए आवश्यक पर्याप्त भोजन या पोषक तत्व नहीं मिल रहे और साथ ही इसमेंचेतावनी दी गई है कि कोविड-19 महामारी में यह स्थिति और बदतर हो सकती है।

इस सप्ताह होने वाले 'संयुक्त राष्ट्र खाद्य प्रणाली सम्मेलन' से पहले संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की एक रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, इस अध्ययन में बच्चों की माताओं से बातचीत की गई और पाया गया कि ऑस्ट्रेलिया, इथियोपिया, घाना, भारत, मेक्सिको, नाइजीरिया, सर्बिया और सूडान में हर तीन में से एक बच्चे को प्रतिदिन कम से कम एक बार प्रसंस्कृत या अति प्रसंस्कृत भोजन या पेय दिया जाता है।

रिपोर्ट में कहा गया कि बढ़ती गरीबी, असमानता, युद्ध, जलवायु संबंधी आपदा और कोविड-19 जैसी स्वास्थ्य आपदाओं के कारण विश्व के कई देशों में बच्चों को उचित पोषक तत्व नहीं मिल पा रहे हैं और पिछले 10 साल में इस स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है।

रिपोर्ट में कहा गया, ''हमने 18 देशों में माताओं और पोषण विशेषज्ञों से बातचीत की कि वे बच्चों को भोजन देने का निर्णय कैसे लेते हैं। हमें पता चला कि अफगानिस्तान, बांग्लादेश और भारत में माताओं को ऐसे सामाजिक नियमों का पालन करना पड़ता है जिससे वह भोजन खरीदने का निर्णय नहीं ले पाती।''

भारत में यूनिसेफ की प्रतिनिधि यास्मीन अली हक ने कहा, ''कोविड-19 के कारण पोषण संबंधी चुनौतियां बढ़ गई हैं। यदि हम बच्चे की पोषण स्थिति को प्रभावित करने वाले बहुक्षेत्रीय निवेश को अधिकतम करना चाहते हैं तो स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक सुरक्षा सेवाओं का प्रभावी वितरण महत्वपूर्ण है।

सार समाचार

हरियाणा के सोनीपत में बड़ा हादसा, जीवानंद स्कूल की गिरी छत, 25 बच्चे जख्मी

हिसार। हरियाणा के सोनीपत के गन्नौर में बड़ा हादसा हो गया। आपको बता दें कि गन्नौर के एक स्कूल की अचानक से छत गिर गई। इस हादसे में 25 बच्चे जख्मी हो गए। जबकि कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक गंभीर रूप से जख्मी बच्चों को उपचार के लिए पीजीआई में रेफर किया गया है।

हादसे के बाद 20 बच्चे लापता !

हादसा जीवानंद स्कूल में हुआ। जिसमें 3 मजदूर भी जख्मी हो गए हैं। वहीं छत गिरने के बाद करीब 20 बच्चों की कोई जानकारी नहीं है। फिलहाल राहत एवं बचाव कार्य जारी है। इस हादसे की जानकारी मिलने के तुरंत बाद ही मौके पर पुलिस पहुंच गई।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक जीवानंद स्कूल की छत पर मरम्मत का काम चल रहा था। पिछले दिनों हुई बारिश की वजह से छत की हालत जर्जर हो गई थी। जिसके बाद मजदूर मिट्टी डाल रहे थे।

गोवा विधानसभा चुनाव से पहले गोवा पहुंचे डेरेक ओ ब्रायन

पणजी। तृणमूल कांग्रेस के 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले गोवा की राजनीति में फिर से एंट्री करने की खबरों के बीच पार्टी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन गुरुवार को यहां पहुंचे। हालांकि, ओ ब्रायन ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी और 2022 के राज्य विधानसभा चुनावों में इसकी भूमिका के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देने से इनकार कर दिया। ब्रायन ने कहा, मैं अभी-अभी उतरा हूं, इसलिए आज के लिए गुड आफ्टरनून काफी है। राज्य में कई विपक्षी नेताओं ने पुष्टि की है कि तृणमूल कांग्रेस ने राज्य विधानसभा चुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने की संभावना के मद्देनजर उन्हें साथ आने के लिए कहा था। संपर्क करने वालों में दो बार के कांग्रेस विधायक एग्नेलो फर्नांडीस भी शामिल हैं। पश्चिम बंगाल स्थित पार्टी से जुड़े एक अन्य नाम में पूर्व मुख्यमंत्री लुइज़िन्हो फलेरियो शामिल हैं। फलेरियो ने कहा, बहुत सारे लोग सर्वेक्षण कर रहे हैं। वे सभी नेताओं से मिल रहे हैं। बुधवार को गोवा में तृणमूल कांग्रेस के दोबारा प्रवेश के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा था, सबको आने दो, गोवा से हर कोई प्यार करता है।

किसान आंदोलन को लेकर बोले केंद्रीय मंत्री, कहा - जो आंदोलन पर बैठे है, वे बता दे कि खत्म कब करेंगे

भोपाल। राजधानी भोपाल पहुंचे केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसान आंदोलन को लेकर बड़ा बयान दिया है। तोमर ने कहा कि हम किसानों के हित में प्रतिबद्ध रहे हैं। सात सालों में कृषि के क्षेत्र में अनेक ऐसे निर्णय लिए गए जो आम किसान के लिए लाभप्रद है। कृषि सुधार कानूनों के पक्ष में पूरा देश खड़ा है। उन्होंने कहा कि जो लोग इसका विरोध कर रहे है अगर वे नए प्रस्ताव लेकर आएंगे तो उनसे बातचीत करेंगे। आंदोलन जिसने शुरू किया वह बता सकता है कब खत्म करेंगे। वहीं केंद्रीय मंत्री बनने के बाद पहली बार ज्योतिरादित्य सिंधिया ने चंबल का दौरा किया। इस दौरान उनका भव्य स्वागत हुआ। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर भी सिंधिया के साथ दिखे। सिंधिया के ग्वालियर चंबल में रोड शो पर नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि कोई पावर सेंटर नहीं है। बीजेपी कार्यकर्ता कार्यालय ही पावर सेंटर है। बता दें कि नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि मुरुगन हमारे वरिष्ठ कार्यकर्ता हैं। उन्होंने अनेको दायित्व पर सफलतापूर्वक अपना काम किया। खुशी है कि प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसे कार्यकर्ता को केंद्रीय परिषद में जगह दी है। तोमर ने कहा कि उनकी योग्यता का उनके अनुभव का उनके सूझबूझ का राज्यसभा के सदस्य के नाता प्रदेश की जनता और साथ ही साथ कार्यकर्ता लाभ लेगी।

मंडाविया ने पोस्ट-कोविड प्रबंधन पर राष्ट्रीय व्यापक दिशानिर्देश जारी किए

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने गुरुवार को पोस्ट-कोविड प्रबंधन पर राष्ट्रीय व्यापक दिशानिर्देश जारी किए। दिशानिर्देश लंबी अवधि के लिए पूर्ण पोस्ट-कोविड स्वास्थ्य देखभाल मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। ये मॉड्यूल कोविड के दीर्घकालिक प्रभावों से निपटने के लिए पूरे भारत में डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिक्स और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की क्षमता के निर्माण में मदद करेंगे। राष्ट्रीय व्यापक दिशानिर्देश जारी करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये मॉड्यूल डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को कोविड के दीर्घकालिक प्रभावों के मुद्दों से निपटने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। मंडाविया ने सोशल मीडिया पर कहा, लंबी अवधि के स्वास्थ्य मुद्दों पर मार्गदर्शन देने के लिए पोस्ट-कोविड प्रबंधन पर राष्ट्रीय व्यापक दिशानिर्देश जारी किए। इससे स्वास्थ्य कर्मियों को पोस्ट-कोविड स्वास्थ्य जटिलताओं के लिए अग्रिम रूप से तैयार करने और रोगियों को उपयुक्त उपचार देने में मदद मिलेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि ये दिशानिर्देश डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को कोविड के दीर्घकालिक प्रभावों के मुद्दे से निपटने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए तैयार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि न्यूनतम दुष्प्रभाव सुनिश्चित करने और उपचार के नकारात्मक प्रभाव को सुनिश्चित करने के लिए कोविड के सक्रिय और व्यापक उपचार की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा, हमने म्यूकोर्मिकोसिस के मामलों जैसे स्टेरॉयड की अधिक खुराक लेने के कारण रोगियों में पोस्ट-कोविड प्रभाव के परिणाम देखे हैं। कम या नगण्य साइड इफेक्ट वाली दवाएं लेना महत्वपूर्ण है। यदि हम पहले से सतर्क हैं, तो यह कोविड के भविष्य के परिणामों से निपटने में उपयोगी होगा। इस अवसर पर उपस्थित केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री डॉ. भारती प्रवीण पवार ने कहा, इस महामारी ने हमारे स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली पर एक अभूतपूर्व चुनौती पेश की है। इतनी बड़ी आबादी वाला देश में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल एक बड़ी चुनौती है। पवार ने कहा, हमें मानसिक स्वास्थ्य की इस चुनौती से निपटने के लिए अपनी क्षमता का निर्माण करने की जरूरत है। अगर अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता उचित ज्ञान और प्रशिक्षण से लैस हैं, तो वे इन पोस्ट-कोविड चुनौतियों के खिलाफ इस लड़ाई में एक मूल्यवान संसाधन बन सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री वी के सिंह और संघ नेता इंद्रेश कुमार ने हाइफा मुक्ति दिवस पर जवानों को किया नमन

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री और पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल वी के सिंह ने हाइफा मुक्ति दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के तीन मूर्ति-हाइफा चौक पर बहादुर सैनिकों को नमन किया और श्रद्धांजलि दी। शौर्य और बलिदान दिवस पर इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार ने किया था।

दरअसल, आज से 103 वर्ष पूर्व 23 सितंबर 1918 को भारत के 3 रेजीमेंटों- जोधपुर, मैसूर और हैदराबाद लांसर्स के बहादुर जवानों ने तुर्की साम्राज्य के सैनियों को हरा कर हाइफा की लड़ाई जीती थी और इस शहर को इजरायल को सौंप दिया था। इस लड़ाई में 900 से ज्यादा भारतीय सैनिकों ने बलिदान दिया था। इन वीर सैनिकों की याद में इजरायल के हाइफा में भी स्मारक बनाया गया है और इजरायल आज भी इन भारतीय सैनिकों की बहादुरी को याद करता है। हाइफा की इसी लड़ाई की याद में संघ के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार हर साल 23 सितंबर को शौर्य और बलिदान दिवस के नाम से इस कार्यक्रम का आयोजन करते हैं। इंद्रेश कुमार को इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए धन्यवाद देते हुए केंद्रीय मंत्री वी के सिंह ने कहा कि प्रथम विश्व युद्ध की लड़ाई के दौरान साधारण और परंपरागत हथियारों के बल पर भारत के बहादुर जवानों ने आधुनिक हथियारों से लैस ऑटोमन साम्राज्य के सैनिकों को हरा कर दुनियाभर में अपनी बहादुरी की छाप छोड़ी थी। तीन मूर्ति-हाइफा चौक के बारे में बताते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यहां लगी तीन मूर्तियां जोधपुर, मैसूर और हैदराबाद के सैनिकों का प्रतीक हैं। उस समय तीन मूर्ति स्थित इस आवास में ब्रिटिश सेना के कमांडर इन चीफ रहा करते थे। इंद्रेश कुमार ने कहा कि कहा कि हमें इस तीन मूर्ति- हाइफा चौक को एक तीर्थ की तरह मानना चाहिए और हर व्यक्ति को यहां आकर नमन जरूर करना चाहिए।

आरबीआई रिपोर्ट ने खोल दी है,योगी के दावों की पोल : मायावती

लखनऊ। बसपा सुप्रीमों मायावती ने आज उत्तर प्रदेश को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर बड़ा हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के डबल इंजन वाली सरकार के बयान पर तंज कसा ।पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने आज(गुरुवार का) एक के बाद एक,दो ट्वीट से भाजपा पर हमला बोला। मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश के निवासियों की प्रति व्यक्ति आय सही से नहीं बढ़ने अर्थात यहां के करोड़ों लोगों के गरीब व पिछड़े बने रहने सम्बंधी रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़े ही भारतीय जनता पार्टी की पोल खोल रहे हैं। मायावती ने कहा कि आंकड़े इस आमधारणा को प्रमाणित करते हैं कि भाजपा के विकास के दावे हवा-हवाई व जुमलेबाजी हैं। उत्तर प्रदेश में तो इनकी डबल इंजन की सरकार में भी ऐसा क्यों है कि यहां पर प्रति व्यक्ति आय सही से नहीं बढ़ी। बसपा मुखिया मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहलेभाजपा के विकास के दावों के खोखले होने का पर्दाफाश होने से अब यह पार्टी तेजी से धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ व हिन्दू-मुस्लिम विवाद आदि के पुराने संकीर्ण मुद्दे पर वापस आ गई है। मायावती ने कहा कि लेकिन इनको शायद यह पता नहीं है कि लोग फिर से इनके छलावे में आने वाले नहीं हैं, जो उनके मूड से भी स्पष्ट है।

भगवान राम पर अपने विवादित बयान के बाद मांझी ने भाजपा पर साधा निशाना

पटना (एजेंसी)।

भगवान राम पर अपने विवादित बयान को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने गुरुवार को पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें भी मंदिरों में दलितों के प्रवेश के बारे में बोलना चाहिए।

मांझी कर्नाटक की उस घटना का जिक्र कर रहे थे जहां मंदिर प्रशासन ने एक दलित पिता पर 23,000 रुपये का जुर्माना लगाया, जो मंदिर के द्वार के बाहर पूजा कर रहा था, लेकिन उसका दो साल का बेटा 4 सितंबर को इसमें प्रवेश कर गया।

मांझी ने कहा, धार्मिक माफिया ऐसी घटना के बारे में कुछ नहीं कहेंगे। वे इसके बारे में चुप हो जाते हैं। कोई भी दलित समुदाय के मंदिरों में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने पर नहीं बोलेगा। वे दलित लोगों को मंदिरों में प्रवेश करना या धार्मिक किताबें पढ़ना पसंद नहीं करते हैं।

मांझी ने ट्वीट में आगे कहा, मैं जो कुछ भी कह रहा हूं.. सदियों के दर्द का नतीजा है.हमने अब तक अपना गुस्सा जाहिर नहीं किया है।

मांझी ने मंगलवार को कहा कि उन्हें बिहार के स्कूली पाठ्यक्रम में रामायण को शामिल करने से कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन उन्होंने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि रामायण की कहानी सच्चाई पर आधारित नहीं है।

मांझी ने कहा, रामायण में कई अच्छी चीजें हैं जिनका उपयोग हमारे बच्चों और महिलाओं को शिक्षित करने के लिए किया जा सकता है। हमारे बड़ों और महिलाओं का सम्मान करना इस पुस्तक की विशेषताएं हैं। मुझे रामायण को पाठ्यक्रम में शामिल करने में कोई आपत्ति नहीं है लेकिन मैं व्यक्तिगत रूप से मानता हूं कि यह एक काल्पनिक पुस्तक है और मुझे नहीं लगता कि राम एक महान व्यक्ति थे और वह जीवित थे।

उनके बयान के बाद, भाजपा विधायक हरिभूषण ठाकुर ने कहा, मांझी ने राम के अस्तित्व पर सवालिया निशान लगाया। मैं मांझी से सवाल पूछना चाहता हूं कि उनके माता-पिता ने उनका नाम जीतन राम मांझी क्यों रखा। वह मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के नाम पर घटिया राजनीति कर रहे हैं।

भाजपा के ओबीसी विंग के राष्ट्रीय महासचिव निखिल आनंद ने कहा, जीतन राम मांझी बिहार के एक वरिष्ठ नेता हैं और उन्हें ऐसी किसी भी चीज पर बयान देने से बचना चाहिए, जिससे लोगों के ध्रुवीकरण की संभावना हो।

रामायण को मध्य प्रदेश के स्कूलों के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है और बिहार में इसे यहां भी पाठ्यक्रम में शामिल करने की चर्चा चल रही है।

केंद्र ने दिल्ली के वायु प्रदूषण पर राज्यों के साथ की बैठक

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली के वायु प्रदूषण से निपटने के लिए गुरुवार को केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा राज्यों की एक संयुक्त बैठक बुलाई गई।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मीडिया से कहा, प्रत्येक राज्य ने अपने प्रस्ताव रखे। हमने दोहराया कि दिल्ली का प्रदूषण स्तर उसके पड़ोसी राज्यों के कारण बढ़ता है। पिछले कुछ हफ्तों से वायु गुणवत्ता की निगरानी के बाद, हमने पाया है कि पीएम 2.5 और पीएम 10 स्तर 15 अक्टूबर के बाद पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने के कारण बढ़ने लगते हैं।

बैठक में दिल्ली ने कुल 12 सुझाव पेश किए हैं।

उन्होंने आगे कहा, अपने मुख्य बिंदुओं में, दिल्ली सरकार ने एक बार फिर केंद्र से वायु प्रदूषण की समस्या पर आपातकालीन आधार पर विचार करने और उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब राज्यों में बायो-डीकंपोजर के उपयोग के लिए एक कार्य योजना तैयार करने की अपील की है।

इसके अलावा, दिल्ली सरकार ने केंद्र और पड़ोसी राज्यों को एक विशेष टास्क फोर्स बनाने और धूल वाले निर्माण स्थलों के लिए हॉटस्पॉट जोन घोषित करने का सुझाव दिया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए एक इलेक्ट्रिक वाहन नीति अपनाएं। इस कदम से वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, हमने उनसे दिल्ली के पड़ोसी राज्यों में भी पटाखों पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया है।

बुधवार को पंजाब सरकार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली ने पराली जलाने को रोकने और नियंत्रित करने के लिए एक योजना बनाई है।

पूसा बायो-डीकंपोजर के साथ पराली जलाने के कारण आग की गिनती की रिकॉर्डिंग और निगरानी के लिए इसरो द्वारा विकसित एक मानक प्रोटोकॉल अपनाने के लिए जारी किया गया है, जिसे यूपी में 6 लाख एकड़, हरियाणा में 1 लाख एकड़, पंजाब में 7,413 एकड़ और दिल्ली में 4,000 एकड़ में इस्तेमाल करने की योजना है।

राजस्थान भाजपा के चिंतन शिविर में दिग्गजों की कमी से कई सवाल हुए खड़े

जयपुर (एजेंसी)।

राजस्थान के कुंभलगढ़ शहर में आयोजित दो दिवसीय भाजपा की चिंतन शिविर में भाजपा कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर मिशन 2023 पर ध्यान केंद्रित करने और आपसी कलह को रोकने का कड़ा संदेश दिया गया। हालांकि, पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और भूपेंद्र यादव की अनुपस्थिति ने कई सवालों को जन्म दे दिया है।

भाजपा के अधिकारियों ने इन नेताओं की अनुपस्थिति को तवज्जो नहीं दी और कहा कि उनकी अपनी व्यक्तिगत और व्यावसायिक प्रतिबद्धताएं हैं। पार्टी के एक नेता ने कहा राजे की बहू की तबीयत खराब है, शेखावत को पंजाब संकट से निपटने की जिम्मेदारी दी गई है जबकि यादव मणिपाल के प्रभारी हैं, इसलिए ये नेता बैठक से अनुपस्थित हैं। कुंभलगढ़ में सोमवार और मंगलवार को भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बी.एल. संतोष के दिशानिर्देश में दो दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि पार्टी संगठन और केंद्र सरकार द्वारा किए गए कार्यों के आधार पर बिना सीएम चेहरे के विधानसभा चुनाव लड़ेगी। संसदीय बोर्ड की सिफारिशों के अनुसार सीएम को अंतिम रूप दिया जाएगा, अधिकारियों ने कहा कि बैठक में इस मुद्दे पर फैसला किया गया है।

आलाकमान द्वारा सतीश पूनिया को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद से राजस्थान में भाजपा गुटबाजी में घिर गई है, हालांकि राज्य के नेताओं ने इस बात से इनकार किया है कि पार्टी में कोई अंदरूनी कलह है। एक नेता ने कहा कि इस नेतृत्व को पार्टी में किसी भी तरह की अनुशासनहीनता से निपटने की खुली छूट दी गई है।

सिंधिया के ग्वालियर दौरे में दिखी सियासी ताकत

ग्वालियर (एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने के बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया का ग्वालियर आगमन उनकी सियासी ताकत को जाहिर कर गया। सिंधिया का स्वागत करने में भाजपा के तमाम नेता पीछे नहीं रहे और जनता भी सड़कों पर सैलाब के तौर पर उमड़ी। यही कारण रहा कि सिंधिया को मुरैना से ग्वालियर और अपने राजमहल तक पहुंचने में कई घंटों का वक्त लग गया।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने लगभग डेढ़ साल पहले कांग्रेस से बगावत की थी और उसी के चलते राज्य में कमलनाथ सरकार का पतन हो गया था। सिंधिया की बदौलत राज्य में शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा की फिर से सरकार बनी और उसके बाद हुए उपचुनाव में भी भाजपा ने 28 में से 19 सीटों पर जीत दर्ज की। सिंधिया के कांग्रेस से भाजपा में जाने के बाद लगातार कयासों का बाजार गर्म रहा, उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल करने में हुई देरी पर कांग्रेस लगातार तंज कसती रही।

मोदी सरकार में सिंधिया को कैबिनेट मंत्री बनाते हुए नागरिक उड्डयन विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। सिंधिया अपने विभाग के जरिए मध्य प्रदेश को विभिन्न स्थानों से हवाई मार्ग से जोड़ने की कवायद में लगे हुए हैं। बीते समय में सिंधिया ने मध्य प्रदेश के तमाम बड़े शहरों भोपाल, इंदौर के अलावा ग्वालियर वे जबलपुर को कई उड़ानों के तौर पर सौगातें दी हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने के बाद सिंधिया बुधवार को पहली बार ग्वालियर पहुंचे। सिंधिया के सड़क मार्ग से मुरैना होते हुए ग्वालियर तक पहुंचने के रास्ते में हर जगह जोरदार स्वागत किया गया। कहीं बैंड बज रहे थे, तो कहीं ढोल और नगाड़े, इतना ही नहीं घोड़ों पर सवार लोग भी उनका स्वागत करते नजर आए। यही कारण रहा कि सिंधिया को मुरैना से ग्वालियर में अपने राज महल तक पहुंचने में कई घंटों का वक्त लग गया।

सिंधिया के कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आने पर लगातार यही कहा जाता रहा है कि कांग्रेस की तरह इस इलाके में भाजपा भी दो धड़ों में बट जाएगी, मगर ग्वालियर आगमन के दौरान इस तरह के कयासों पर विराम लगता ही नजर आया। ऐसा इसलिए क्योंकि सिंधिया के स्वागत कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के अलावा स्थानीय सांसद विवेक शेजवलकर से लेकर तमाम विधायक राज्य सरकार के मंत्री और पूर्व मंत्री व अटल बिहारी वाजपेई के भांजे अनूप मिश्रा भी स्वागत समारोह में दिखाई दिए।

स्थानीय लोगों की मानें तो उनका कहना है कि सिंधिया का व्यक्तिगत तौर पर इस क्षेत्र में प्रभाव है, वे जब कांग्रेस में थे तब भी लोग उनके स्वागत के लिए सड़कों पर आते थे और अब भाजपा में है तो लोग उनके स्वागत के लिए सड़क पर आए।

सिद्धू के यार इमरान और बाजवा रावत के भाईजान, कांग्रेस के लिए क्यों इतना प्रिय है पाकिस्तान?

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस पार्टी के पंजाब को लेकर चले सियासी घटनाक्रम ने वाद-विवाद के साथ ही पाकिस्तान के जिक्र भी खूब हुआ। लेकिन एक बार फिर पाकिस्तान को लेकर कांग्रेसी नेता चर्चा में हैं। कांग्रेस महासचिव एवं पंजाब प्रभारी हरीश रावत द्वारा हाल में पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा को प्रा (पंजाबी में भाई) कहे की वजह से एक नए विवाद ने जन्म ले लिया है। वैसे इससे पहले ही कैप्टन अमरिंदर सिंह द्वारा पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष के आईएसआई और पाकिस्तान से संबंध के आरोप लगाए जाते रहे हैं। लेकिन ताजा मामला सामने आने के बाद भाजपा सांसद अनिल बलूनी ने कड़ी आपत्ति जताई है। उत्तराखंड से राज्यसभा सदस्य और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी ने एक वीडियो जारी कर कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक ऐसे व्यक्ति को भाई कहा जा रहा है जिसके हाथ भारतीयों और उत्तराखंड के वीर जवानों के खून से रंगे हैं। उन्होंने रावत से कहा, ''आप देवभूमि के रहनेवाले हैं। यहां के प्रत्येक घर से कोई न कोई सेना में है। इस तरह का बयान देकर आप तुष्टीकरण की किस तरह की राजनीति कर रहे हैं, किस तरह के वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं।''

रावत ने बाजवा को बताया प्रा

अगले साल की शुरुआत में उत्तराखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की प्रचार समिति के प्रमुख बनाए गए रावत ने हाल में एक ट्वीट में बाजवा को प्रा कहते हुए इस्लामाबाद में इमरान खान के शपथग्रहण समारोह के दौरान सिद्धू के उन्हें गले लगाने को उचित ठहराया था और कहा था कि एक पंजाबी का दूसरे पंजाबी प्रा को गले लगाना कैसे देशद्रोह हो सकता है। रावत ने कहा था,''विभाजन के बाद पंजाब का जो हिस्सा पाकिस्तान में रह गया, उसे भी पंजाब ही कहा जाता है और वहां रहने वालों को पंजाबी ही कहा जाता है। सिद्धू यदि दूसरे पंजाबी व्यक्ति से, जो पाकिस्तान का जनरल है, उससे गले मिले तो...श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर को खोलने के विषय में मिले।'' उन्होंने कहा कि इसमें भाजपा को राजनीति नजर आती है।

सिद्धू के यार इमरान

'खान साहब, जब भी करतारपुर साहब के लांगे का इतिहास लिखा जाएगा। पहले पन्ने पर आपका नाम लिखा जाएगा। मेरे यार, दिलदार इमरान खान का शुक्रिया।' सिखों के पवित्र धार्मिक स्थल करतारपुर साहिब तक जाने वाले कॉरिडोर के समारोह में कांग्रेस नेता और उस वक्त पंजाब सरकार के मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू पाकिस्तानी कप्तान और अपने पुराने दोस्त इमरान खान की शान में कुछ इस कदर कसीदे पढ़े थे। वहीं पंजाब के सीएम पद से इस्तीफे के बाद अमरिंदर सिंह ने सीधे-सीधे प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान और आईएसआई का मित्र भी बता दिया था। इसके साथ ही अमरिंदर

सिंह ने कहा कि अगर कांग्रेस की तरफ से अगर सिद्धू को मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो वो इस फैसले का विरोध करेंगे। कैप्टन पाकिस्तान के साथ संबंध हैं। पंजाब में पाकिस्तान से हथियार आते हैं। सिद्धू को सीएम बनाना राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

थम नहीं रहा डेंगू का सिलसिला, कुछ राज्यों में स्वाइन और निपाह के भी मिले मामले

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के बीच डेंगू, वायरल फीवर के साथ ही स्वाइन फ्लू और निपाह वायरस का घातक संक्रमण भी देश में फैल गया है। मध्य प्रदेश के इंदौर CMHO के डाक्टर बीएस सेतिया ने राज्य में डेंगू के हालात पर चिंता जताई। उन्होंने बताया कि बुधवार को राज्य में आज डेंगू के 21 मामले मिले जिनमें 5 मरीज छोटे बच्चे हैं। इसके साथ ही राज्य भर में अब कुल मामलों का आंकड़ा 328 हो गया है। वहीं अभी डेंगू के 22 सक्रिय मामले हैं इनमें से दो मरीज अस्पताल में भर्ती है बाकी घर में इलाज की सुविधा ले रहे हैं। वहीं उत्तर प्रदेश के ष्टस्ह्र अखिलेश मोहन ने बताया कि मेरठ में अभी डेंगू के कुल सक्रिय मामले 115 हैं जिसमें से 26 नए मामलों की पहचान बुधवार को हुई। उन्होंने यह भी कहा कि इसके रोकथाम के लिए एंटी-लार्वा अभियान चला रहे हैं। अस्पताल या अन्य किसी माध्यम से हमें जब डेंगू के मामले की जानकारी मिलती है तो टीम वहां जाती है और घर में एंटी-लार्वा स्प्रे करती है। राजधानी दिल्ली में डेंगू की रोकथाम के लिए चलाया गया अभियान कारगर साबित हुआ। दिल्ली सरकार 10 हफ्ते 10 बजे 10 मिनट अभियान बड़े स्तर पर चला रही है। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने दिल्ली में बढ़ रहे डेंगू को लेकर कहा कि पिछले छह सालों के मुकाबले इस साल सितंबर में डेंगू के सबसे कम मामले आए हैं। एक प्रेस कान्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि इस साल सितंबर के 20 दिनों में डेंगू के 87 मरीज मिले हैं, जबकि पिछले सालों में सितंबर में डेंगू के कई गुना ज्यादा मामले आए थे। सितंबर, अक्टूबर और नवंबर में डेंगू के मामलों में बढ़ोतरी होती है। इसकी रोकथाम के लिए अधिकारी डेंगू की जांच करने घर-घर जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश मे वायरल और डेंगू से मौत का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को भी पांच मरीजों की जान चली गई।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

कोरोना से हुई मौत पर परिवार को 50 हजार रुपए का मुआवजा मिलेगा, 30 दिन में डीबीटी के जरिए होगा भुगतान

नई दिल्ली। कोरोना वायरस से जिन लोगों की मौत हुई है, उनके परिवार को मुआवजा देने को लेकर केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला किया है। केंद्र ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में बताया कि कोरोना से मौत पर परिवार को 50 हजार रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। इसके लिए कोरोना से मौत का सर्टिफिकेट दिखाना अनिवार्य होगा। केंद्र सरकार ने मुआवजे के अलावा कोर्ट को यह भी बताया कि कोरोना से हुई मौतों को लेकर शिकायतों के समाधान के लिए भी एक कमेटी गठित की जाएगी। यह कमेटी जिला स्तर पर काम करेगी। इसमें उन लोगों को भी शामिल किया गया है जो कोरोना के राहत बचाव कामों में जुटे थे।

सुप्रीम कोर्ट में 2 वकीलों गौरव कुमार बंसल और रीपक कंसल की तरफ से याचिका दाखिल की गई थी। दोनों का कहना था है कि नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट की धारा 12 में आपदा से मरने वाले लोगों के लिए सरकारी मुआवजे का प्रावधान है।

सुप्रीम कोर्ट ने NDMA को दिए थे निर्देश–सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को जून में आदेश दिया था कि वो कोरोना की वजह से मरने वाले लोगों के परिजनों को मुआवजे के भुगतान के लिए गाइडलाइन बनाए। सुप्रीम कोर्ट ने NDMA को इसके लिए 6 हफ्ते का वक्त दिया था। मुआवजे की रकम भी NDMA को ही तय करना था।

डेथ सर्टिफिकेट को भी लेकर कोर्ट ने दिए थे निर्देश

सुप्रीम कोर्ट में एक अन्य याचिक में यह मांग की गई थी कि जिन लोगों की कोरोना से मौत हुई है, उनके परिवार के पास इसका कोई भी सबूत नहीं है। इसलिए डेथ सर्टिफिकेट में कोरोना से मौत को शामिल किया जाए। कोर्ट ने इस पर कहा था कि, कोरोना से मरने वालों के मृत्यु प्रमाण पत्र में मौत की तारीख और कारण शामिल होना चाहिए, साथ ही अगर परिवार संतुष्ट नहीं है तो इसके निवारण के लिए भी अलग से व्यवस्था होनी चाहिए।

सुसाइड करने वालों को भी मिले लाभ–कोर्ट ने केंद्र सरकार को दिए निर्देश में यह भी कहा था कि कोरोना से हुई मौतों के मुआवजे में उन लोगों को भी शामिल किया जाना चाहिए, जो महामारी से पीड़ित थे और इसी दौरान उन्होंने आत्महत्या कर ली थी।

30 दिन के भीतर DDMA करेगा मुआवजे का वितरण

NDMA की तरफ से जारी निर्देश में यह भी कहा गया है कि मुआवजे का वितरण जिला आपदा प्रबंधन अथॉरिटी के जरिए होगा। मृतक के परिवार की तरफ से आवेदन मिलने के 30 दिन के भीतर DDMA उसका निपटारा कर देगा। मुआवजा आधार लिंक्ड डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर प्रक्रिया से होगा।

याचिकाकर्ता ने क्या कहा था?

सुप्रीम कोर्ट में 2 वकीलों गौरव कुमार बंसल और रीपक कंसल की तरफ से याचिका दाखिल की गई थी। दोनों का कहना था है कि नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट की धारा 12 में आपदा से मरने वाले लोगों के लिए सरकारी मुआवजे का प्रावधान है। पिछले साल केंद्र ने सभी राज्यों को कोरोना से मरने वाले लोगों को 4 लाख रुपये मुआवजा देने के लिए कहा था। इस साल ऐसा नहीं किया गया है। इसके जवाब में केंद्र ने कहा था कि कोरोना के चलते राज्यों को पहले ही बहुत अधिक खर्च करना पड़ रहा है। उन पर मुआवजे का बोझ डालना सही नहीं होगा।

शोपियां एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने एक आंतकी किया ढेर, भारी गोला–बारूद बरामद

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सुरक्षा बलों ने गुरुवार को मुठभेड़ के दौरान एक आतंकवादी को मार गिराया। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी के आधार पर राष्ट्रीय राइफल, प्रदेश पुलिस के विशेष अभियान दल तथा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों ने संयुक्त रूप से बुधवार देर रात शोपियां के कशवा गांव में घेराबंदी तथा तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान सुरक्षा बलों तथा आतंकवादियों के बीच हुई गोलीबारी में जीवेर हमीद भट नामक एक नागरिक घायल हो गया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों के जवान जब गांव में एक विशेष इलाके की ओर बढ़ रहे थे, तो वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। लक्षित क्षेत्र के आस-पास के घरों से सभी नागरिकों को निकाल लिया गया। सुरक्षा बलों के जवानों ने आतंकवादियों को आत्मसर्पण करने को कहा, लेकिन उसने मना कर दिया। बाद में, मुठभेड़ के दौरान एक सक्रिय आतंकवादी मारा गया। उसके पास से एक पिस्तौल और गोला-बारूद बरामद हुआ है। मारे गए आतंकवादी की पहचान अनायत के तौर पर हुई है। इससे पहले बुधवार को अनायत ने स्थानीय नागरिक जीवर हमीद भट को गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्वेच्छा से बनाए यौन संबंध पॉक्सो कानून के तहत अपराध नहीं

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 22 साल के युवक व साढ़े 16 साल की नाबालिग में सहमति से बने यौन संबंध के मामले में युवक को दुष्कर्म के आरोप से मुक्त कर रिहा करने का आदेश दिया है।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के आरोपी को किया रिहा

हाईकोर्ट ने कहा, स्वेच्छा से बनाए यौन संबंध प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंसेस एक्ट (पॉक्सो) 2012 के तहत अपराध नहीं माने जा सकते। अगर संबंध दोनों की सहमति से हैं, तो पुरुष को केवल इसलिए दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए क्योंकि उसकी शारीरिक बनावट अलग है। पॉक्सो अधिनियम बच्चों की सुरक्षा के लिए है, इसका इस्तेमाल किसी व्यक्ति को परेशान करने या किसी अन्य से जबरन विवाह करवाने में नहीं होना चाहिए। इस मामले में युवक को निचली अदालत ने दुष्कर्म का दोषी माना था। उसे पॉक्सो में भी दोषी करार दिया था।

बच्चों को नहीं मिल रहे जरूरी पोषक तत्व, यूनिसेफ बोला– महामारी में बदतर हो सकती है स्थिति

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनिसेफ की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को विकास के लिए आवश्यक पर्याप्त भोजन या पोषक तत्व नहीं मिल रहे और साथ ही इसमें चेतावनी दी गई है कि कोविड-19 महामारी में यह स्थिति और बदतर हो सकती है। इस सप्ताह होने वाले 'संयुक्त राष्ट्र खाद्य प्रणाली सम्मेलन' से पहले संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की एक रिपोर्ट सामने आई है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस अध्ययन में बच्चों की माताओं से बातचीत की गई और पाया गया कि ऑस्ट्रेलिया, इथियोपिया, घाना, भारत, मेक्सिको, नाइजीरिया, सर्बिया और सूडान में हर तीन में से एक बच्चे को प्रतिदिन कम से कम एक बार प्रसंस्कृत या अति प्रसंस्कृत भोजन या पेय दिया जाता है। रिपोर्ट में कहा गया कि बढ़ती गरीबी, असमानता, युद्ध, जलवायु संबंधी आपदा और कोविड-19 जैसी स्वास्थ्य आपदाओं के कारण विश्व के कई देशों में बच्चों को उचित पोषक तत्व नहीं मिल पा रहे हैं और पिछले 10 साल में इस स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है।

भोजन में आड़े आ रहा सामाजिक नियम

रिपोर्ट में कहा गया, हमने 18 देशों में माताओं और पोषण विशेषज्ञों से बातचीत की कि वे बच्चों को भोजन देने का निर्णय कैसे लेते हैं। हमें पता चला कि अफगानिस्तान, बांग्लादेश और भारत में माताओं को ऐसे सामाजिक नियमों का पालन करना पड़ता है जिससे वह भोजन खरीदने का निर्णय नहीं ले पाती।

कोरोना ने बढ़ाई मुश्किलें

भारत में यूनिसेफ की प्रतिनिधि यास्मीन अली हक ने कहा, 'कोविड-19 के कारण पोषण संबंधी चुनौतियां बढ़ गई हैं। यदि हम बच्चे की पोषण स्थिति को प्रभावित करने वाले बहुक्षेत्रीय निवेश को अधिकतम करना चाहते हैं तो स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक सुरक्षा सेवाओं का प्रभावी वितरण महत्वपूर्ण है।'

ईडी ने हैदराबाद समेत देशभर में कई स्थानों पर मारा छापा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड (केएसबीएल) के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में बुधवार को हैदराबाद में कई जगहों और देशभर में कई स्थानों पर छापा मारा। यह कार्रवाई केएसबीएल के चेयरमैन और एमडी सी पार्थसारथी का बयान दर्ज करने के बाद हुई। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि छापे केएसबीएल और पार्थसारथी व अन्य गिरफ्तार आरोपियों से जुड़े आवासीय परिसरों, कार्यालयों मारे गए। ईडी ने 5 सितंबर को हैदराबाद की चंचलगुड़ा केंद्रीय जेल में बंद मुख्य आरोपी पार्थसारथी का बयान दर्ज किया था। ईडी अधिकारियों ने अगले दो दिन तक उनसे पूछताछ की थी। एजेंसी ने हैदराबाद पुलिस की सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस) द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया था। इंडसइंड बैंक ने कार्वी के खिलाफ सीसीएस के डिटेक्टिव विभाग (डीडी) में मामला दर्ज कराया था। इसमें आरोप लगाया था कि कार्वी ने बैंक से 137 करोड़ रुपये का क्रेडिट लिया था

लेकिन उसने इस पैसे का इस्तेमाल अपने और संबंधित कारोबारी कंपनियों में किया। सीसीएस ने इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक और क्लाइंट से धोखाधड़ी के लिए चार मामले दर्ज किए हैं। एचडीएफसी ने 359 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। इस मामले में पार्थसारथी समेत दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

कोविशील्ड की दोनों डोज के बीच कम होगा अंतराल? जानिए सरकार का जवाब

नई दिल्ली। कुछ दिनों पहले मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि भारत में लगाए जाने वाली कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड की दोनों में गैप के अंतर को कम किया जा सकता है। लेकिन अब सरकार ने साफ कर दिया है कि खुराक के बीच अंतर को कम करने के फैसले पर किसी तरह का कोई विचार नहीं किया जा रहा है। बुधवार को सरकार के एक बड़े विशेषज्ञ ने यह जानकारी दी है। उन्होंने यह भी कहा है कि पढ़ाई करने के लिए ट्रैवल करने वाले छात्र और इंटरनेशनली ट्रैवल करने वालों के मामले में संशोधन करना जरूरी था। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने कहा कि निजी केंद्रों पर टीका लगवाने वाले लोगों को अदालत के आदेश के अनुरूप जल्द ही अपना दूसरा शॉट लेने की अनुमति मिल सकती है। हालांकि सरकार ने इस दावे को खारिज कर दिया है। कोविशील्ड के दूसरे शॉट्स के लिए 12-सप्ताह की प्रतीक्षा अनिवार्य है, जिसे सरकार ने वैज्ञानिक अध्ययनों का हवाला देते हुए रखा है, उनके मुताबिक लंबे अंतराल के साथ खुराक उच्च प्रभावकारिता दिखाती है। टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार

समूह (एनटीएजीआई) के कोविद -19 कार्यकारी समूह के अध्यक्ष डॉ एनके अरोड़ा ने कहा, कुछ रिपोर्ट्स दिखा रही हैं कि केंद्र वैक्सीन के अंतर को कम करने वाला है, ये सही नहीं है। विभिन्न श्रेणियों के लोगों के लिए अलग-अलग नियम नहीं हो सकते हैं; यह भेदभावपूर्ण होगा और विज्ञान उस तरह काम नहीं करता है। पढ़ाई के लिए इंटरनेशनली ट्रैवल करने वाले छात्र और अंतरराष्ट्रीय यात्रा करने वाले अन्य लोगों के लिए संशोधनों के मामले में, दिशानिर्देशों को संशोधित करना अनिवार्य कारण था। उन्होंने कहा, वैज्ञानिक रूप से हम इस समय अपने निर्णय पर बहुत दृढ़ हैं। लेकिन निश्चित रूप से, यह एक गतिशील स्थिति है, और अगर भविष्य में अंतर को कम करने के लाभों का समर्थन करने के लिए डेटा उपलब्ध होता है, तो हमारे विशेषज्ञ इसे जरूर देखेंगे। निर्णय विशुद्ध रूप से विज्ञान द्वारा संचालित होगा। मई में, विशेषज्ञ समिति ने कोविशील्ड को प्रशासित करने के लिए अंतराल को पहले के 6-8 सप्ताह से बढ़ाकर 12-16 सप्ताह करने की सिफारिश की थी। पहले यह गैप 4-6 हफ्ते का था।

राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच के गठन की तैयारी

नई दिल्ली। सरकार स्कूली व उच्चतर शिक्षा के स्तर पर प्रौद्योगिकी के उपयोग के जरिये शिक्षा के गुणवत्ता में सुधार और विचारों के मुक्त आदान-प्रदान के उद्देश्य से मंच देने को एक स्वायत्त निकाय के रूप में 'राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच' (एनईटीएफ) गठित करने की तैयारी कर रही है। एनईटीएफ के गठन व इससे जुड़े विविध आयामों को अंतिम रूप देने के लिए ही शिक्षा मंत्रालय ने एक कार्यान्वयन समिति का गठन किया है।

इंफोसिस के पूर्व सीईओ शिबू लाल समिति के अध्यक्ष हैं। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक विनीत जोशी सदस्य सचिव हैं। अन्य सदस्यों में शिक्षा मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव संतोष सारंगी और आईआईटी कानपुर के निदेशक अभय कारंदीकर शामिल हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को डिजिटल शिक्षा के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सार्वभौम बनाने के विषय पर आयोजित बैठक में एनईटीएफ के विषय पर चर्चा की। मंत्री ने प्रौद्योगिकी के उपयोग के जरिये विचारों के मुक्त आदान-प्रदान के लिए मंच प्रदान करने की जरूरत पर जोर दिया। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में एनईटीएफ के गठन की सिफारिश की गई है। सरकार साल 2022 तक इस प्रौद्योगिकी नीत मंच को शुरू करना चाहती है। इस विषय पर शिक्षा मंत्रालय ने राज्यों के संबंधित विभागों एवं स्कूली बोर्ड के साथ चर्चा की है। इन क्षेत्रों में प्रासंगिक बने

रहने के लिए प्रस्तावित एनईटीएफ विभिन्न स्रोतों से प्राप्त प्रामाणिक आंकड़ों का नियमित प्रवाह बनाए रखेगा तथा शोधार्थियों के विविध वर्गों के साथ मिलकर आंकड़ों का विश्लेषण

एनईटीएफ अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी शोधकर्ताओं, उद्यमियों एवं प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के विचारों से लाभ प्राप्त करने के लिए क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय कार्यशालाओं का आयोजन करेगा।

करेगा। एनईटीएफ अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी शोधकर्ताओं, उद्यमियों एवं प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के विचारों से लाभ प्राप्त करने के लिए क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय कार्यशालाओं का आयोजन करेगा। सभी स्तरों पर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए भारतीय भाषाओं में शैक्षणिक साफ्टवेयर विकसित किए जाएंगे। प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने पर जोर दिया जाएगा।

छात्रों को सिखाने का रखा जाएगा ध्यान–शिक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि आमतौर पर यह देखा गया है कि स्कूलों में प्रौद्योगिकी से जुड़े विषय पर पठन-पाठन कम्प्यूटर शिक्षा तक ही सीमित रहता है। अब इसमें नए प्रौद्योगिकी क्षेत्र जैसे कोडिंग, कृत्रिम बुद्धिमता, मशीन लर्निंग, ब्लाक चेन (ब्लाक श्रृंखला), स्मार्ट बोर्ड, एडेप्टिव कम्प्यूटर टेस्टिंग एवं अन्य साफ्टवेयर आदि को जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे में यह ध्यान रखा जाएगा कि छात्र क्या और कैसे सीखता है।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141180

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com